सुविचार

प्रेम सिर्फ अपने काम और ईश्वर से करो, क्योंकि ये दोनो कभी धोखा नही देते.!

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

टी20 सीरीज में भारत को हराने के बाद खिलाड़ियों को जश्न की छूट- ब्रेंडन मैकुलम... » पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 192 | दिनांक : सोमवार, 13 जुलाई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

कोरोना की दस्तक से फिर बढ़ी चिंता

आंध्र के कडप्पा में दो मौतों के बाद हाई अलर्ट, 8 एक्टिव केस मिले, संक्रमित इलाकों में रैपिड रिस्पॉन्स टीमें तैनात

» प्रथम न्यूज । कडप्पा

12 जुलाई (एजेंसी)

कोरोना संक्रमण के नए मामलों ने एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में कोविड-19 के मामले सामने आने और दो मरीजों की मौत के बाद प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। जिले में फिलहाल आठ सक्रिय मामले हैं। स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में रैपिड रिस्पॉन्स टीमें तैनात कर दी हैं और संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू कर दी गई है।

स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, राजमपेट निवासी 52 वर्षीय व्यक्ति की वेल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (ष्टरूष्ट) में इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्हें बुखार और खांसी की शिकायत थी। जांच में उनके कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। वहीं, कडप्पा शहर के 43 वर्षीय व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के बाद सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद उनका

कोविड आईसीयू में इलाज चल रहा था, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर संक्रमण रोकने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जाएंगे।

मेडिकल छात्र भी संक्रमित

कडप्पा मेडिकल कॉलेज के 25 वर्षीय छात्र की कोरोना रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। फिलहाल वह होम आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहा है। स्वास्थ्य विभाग लगातार उसकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

40 लोगों के लिए गए सैंपल

मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमित क्षेत्रों में सर्वे और जांच अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने करीब 40 लोगों के नमूने लिए हैं, जिनमें 18 की रिपोर्ट निगेटिव आई है। बाकी नमूनों की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

लोगों से सावधानी बरतने की अपील

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की अपील की है। अधिकारियों ने बुखार, खांसी, सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी है। साथ ही भीड़भाड़ वाली जगहों पर सावधानी बरतने और स्वच्छता का ध्यान रखने को कहा गया है।

COVID-19 के आठ एक्टिव मामले

ज़िला स्वास्थ्य अधिकारियों ने हाल ही में ज़िला परिषद की बैठक में बताया कि जिले में अभी COVID-19 के आठ एक्टिव मामले हैं। वायरस के वैरिएंट का पता लगाने और उसके फैलने के तरीके को समझने के लिए सैंपल पुणे की एक लैब में जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं।

जान कुमार सानू कोरोना पॉजिटिव, मुंबई के अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)- सिंगर कुमार सानू के बेटे और 'बिग बॉस' फेम जान कुमार सानू कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। कोरोना संक्रमण के बाद उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जान ने रविवार को सोशल मीडिया पर अस्पताल से एक वीडियो साझा कर अपनी सेहत की जानकारी दी।

वीडियो में जान कुमार सानू अस्पताल में अपना फिट चेक कराते नजर आए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में फैंस को बताया कि वह कोरोना वायरस की चपेट में आ गए हैं। पोस्ट के जरिए उन्होंने यह भी इशारा किया कि संक्रमण के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। जान के इस वीडियो के बाद उनके फैंस उनकी जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी हालत को लेकर ज्यादा चिंता न करने का संदेश दिया और हल्के-फुल्के अंदाज में अपनी स्थिति साझा की। जान कुमार सानू इससे पहले रियलिटी शो 'बिग बॉस' में भी नजर आ चुके हैं।

संक्षिप्त न्यूज

भारतीय मूल की गूगल कर्मी की अमेरिका में गोली मारकर हत्या, पति गिरफ्तार

जॉर्जिया (एजेंसी)- अमेरिका के जॉर्जिया राज्य के कॉब काउंटी में भारतीय मूल की गूगल कर्मचारी शीतल व्रजेसियन की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, घरेलू विवाद के दौरान उनके पति किर्क बी व्रजेसियन ने कथित तौर पर वारदात को अंजाम दिया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस लॉरेल क्रीक ट्रेल स्थित उनके घर पहुंची, जहां 57 वर्षीय शीतल को कई गोलियां लगी मिलीं और उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मौके पर दंपति का बेटा जेसन भी गोली लगने से घायल मिला, जिसे अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने आरोपी पति किर्क को गिरफ्तार कर कॉब काउंटी एडल्ट डिटेंशन सेंटर में बिना जमानत हिरासत में रखा है। शीतल व्रजेसियन गूगल में सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत थीं। मामले की जांच जारी है।

होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल शिप पर हमला, 10 भारतीय सुरक्षित; एक लापता

नई दिल्ली (ब्यूरो)- ओमान तट के पास होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल जहाज त्स्न्स् गैलेक्सी पर हमले के बाद 11 भारतीयों की मौजूदगी की जानकारी सामने आई है। हमले के बाद 10 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि एक भारतीय नागरिक अभी लापता है। भारत के विदेश मंत्रालय ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि वह ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर खोज और बचाव अभियान में सहयोग कर रहा है।

मंत्रालय ने क्षेत्र में कमर्शियल जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को चिंताजनक बताया और तनाव कम करने की अपील की। भारत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और व्यापार जल्द बहाल होना चाहिए। ओमान के अधिकारियों ने भी बचाव अभियान में सहयोग किया है।

UNSC में स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी को न्यूजीलैंड का समर्थन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे पर किया ऐलान, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने को तैयार

» प्रथम न्यूज । ऑकलैंड

12 जुलाई (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में भारत की स्थायी सीट की दावेदारी के लिए न्यूजीलैंड ने अपना समर्थन फिर से दोहराया है। यह समर्थन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान आया, जहां दोनों देशों के नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की।

यह दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक सहमति को दिखाता है, जहां नई दिल्ली और वेलिंगटन व्यापार से आगे बढ़कर क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों में भी सहयोग को बढ़ाना चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट पर भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करने के अलावा दोनों देश संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर ज्यादा करीबी तालमेल बिठाने और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में जहां भी संभव हो, एक-दूसरे की उम्मीदवारी का समर्थन करने पर सहमत हुए।

भारत शुरू कर रहा अस्थायी सीट के लिए कैंपेन

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार पर भारत को न्यूजीलैंड का समर्थन ऐसे समय में मिला है, जब नई दिल्ली 2028-29 के कार्यकाल के लिए सुरक्षा परिषद में सीट हासिल करने के लिए अगले सप्ताह से अपना औपचारिक अभियान शुरू करने जा रहा है।

विदेश मंत्री एस जयशंयर सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत की आधिकारिक उम्मीदवारी का ऐलान करेंगे।

ईरान के सैन्य ठिकानों पर फिर धमाकों की आवाज

» प्रथम न्यूज । तेहरान

12 जुलाई (एजेंसी)

ईरान के सैन्य ठिकानों पर एक बार फिर धमाकों की आवाज सुनाई देने की खबर सामने आई है। ईरानी अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसियों के मुताबिक, केशम द्वीप के पास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। हालांकि, शुरुआती जानकारी के अनुसार इन हमलों में किसी बड़े नुकसान या हताहत की पुष्टि नहीं हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, केशम द्वीप पर एक दर्जन से भी कम प्रोजेक्टाइल दागे गए। इसके अलावा बंदर अब्बास और हाजीआबाद इलाकों में भी धमाकों की आवाज सुनी गई। अमेरिकी सेना की ओर से इस घटना पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। इससे पहले अमेरिका ने ईरान के करीब 140 ठिकानों पर हमले किए थे।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया था कि इन हमलों में मिसाइल और ड्रोन लॉन्च साइट, हथियार भंडार और संचार केंद्रों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसे बड़ा सैन्य अभियान बताया था। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में बहरीन, कुवैत, कतर, जॉर्डन और ओमान जैसे देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य मौजूदगी है। बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताते हुए सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी विवाद ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि यह क्षेत्र तेल और गैस आपूर्ति के लिए बेहद अहम माना जाता है।

पंजाब में AAP का 'लोक मिलनी' अभियान तेज

मंत्रियों ने घर-घर जाकर सुनी जनता की समस्याएं

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

12 जुलाई (एएम नाथ)

पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्यभर में 'लोक मिलनी' अभियान तेज कर दिया है। अभियान का उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पिछले चार वर्षों में किए गए विकास कार्यों की जानकारी घर-घर तक पहुंचाना तथा लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना है। इसी कड़ी में फिरोजपुर, फिल्लौर, बठिंडा, निहाल सिंह वाला, फगवाड़ा, नाभा और खन्ना सहित कई विधानसभा क्षेत्रों में कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों ने जनता से सीधा संवाद किया।

कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने खन्ना के गांव मेहंदीपुर में आयोजित कार्यक्रम में सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य स्थानीय समस्याओं पर लोगों से चर्चा की तथा अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं, मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने अपने क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर शिकायतें सुनीं और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने

को कहा। नाभा से विधायक गुरदेव सिंह देव मान ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए 300 यूनिट मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मोहल्ला क्लीनिक, शिक्षा और रोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने 'मेरी रसोई' योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को राशन किट भी वितरित की।

निहाल सिंह वाला के विधायक मनजीत सिंह बिलासपुर, फगवाड़ा में सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल तथा अन्य नेताओं ने भी जनसभाओं और नुक्कड़ बैठकों के माध्यम से लोगों से संवाद किया।

नेताओं ने कहा कि सरकार पारदर्शी और जनहितकारी शासन के लिए प्रतिबद्ध है तथा जनता से मिले सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर अमल में लाया जाएगा। अभियान के दौरान लोगों ने भी विभिन्न विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं की सराहना करते हुए स्थानीय समस्याओं के समाधान की मांग रखी। AAP नेताओं ने कहा कि लोक मिलनी अभियान के जरिए सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद लगातार मजबूत किया जाएगा।

कतर के फादर अमीर को भारत ने दी श्रद्धांजलि, 13 जुलाई को राष्ट्रीय शोक का ऐलान

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

12 जुलाई (एजेंसी)

भारत ने कतर के फादर अमीर महामहिम शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। भारत सरकार ने कतर के फादर अमीर महामहिम शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के सम्मान में कल, 13 जुलाई 2026 को एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। उनका आज निधन हो गया। शोक के दिन पूरे भारत में उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है और उस दिन कोई आधिकारिक

मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर के फादर अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने इसे अत्यंत पीड़ादायक बताया है। प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हम (भारत) कतर के फादर अमीर, महामहिम शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। वह एक दूरदर्शी नेता थे, जिनके नेतृत्व में कतर ने विकास और समृद्धि के नए आयाम हासिल किए। हम उन्हें एक सच्चे मित्र के रूप में भी याद करते हैं, जिनसे मुझे फरवरी 2024 में अपनी कतर यात्रा के दौरान मिलने का सम्मान प्राप्त हुआ था।

मुंबई के ताज होटल को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस अलर्ट

» प्रथम न्यूज । मुंबई

12 जुलाई (ब्यूरो)

मुंबई के प्रतिष्ठित ताज महल पैलेस होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, देर रात नवी मुंबई पुलिस को एक फोन कॉल के जरिए होटल को निशाना बनाने की धमकी दी गई, जिसके बाद तत्काल मुंबई पुलिस को सूचना देकर होटल में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। कई घंटों तक

चले सर्च ऑपरेशन में अब तक कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। एहतियात के तौर पर होटल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस कॉल करने वाले की पहचान और उसके स्रोत का पता लगाने में जुटी है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि कॉल के दौरान दाऊद इब्राहिम का नाम लिया गया, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

खबर का असर - प्रथम न्यूज़ में खबर छपी तो हरकत में आया सेहत विभाग, फताहपुर के अस्पताल में हुई सफाई

फताहपुर के सरकारी अस्पताल में गंदगी का अंबार: सफाईकर्मी न होने से नहीं हो रही साफ-सफाई

सिविल सर्जन डॉ.रश्मि विज ने की सख्ती, कल- डाक्टरी स्टाफ खुद खर्चा करके करवाए सफाई

अमृतसर (साहिब दयाल) अमृतसर (साहिब दयाल) फताहपुर में स्थित भाई साहिब सिंह सेटेलाइट सरकारी अस्पताल के स्वस्थकर्मी और मरीज पिछले कई हफ्तों से नियमित साफ सफाई से जूझ रहे हैं। इससे जुड़ी खबर प्रथम न्यूज़ के 10 जुलाई के अंक में खबर छपने के बाद सेहत विभाग कुंभकरण की नींद से जागी। सिविल सर्जन डॉ रश्मि विज ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फताहपुर के स्वस्थ कर्मियों को यहां साफ सफाई करवाने के निर्देश दिए। इससे मरीजों एवं स्थानीय लोगों में खुशी है। ज्ञात हो कि अस्पताल की बैकसाइड में जंगल नुमा घास बूटी उगी हुई थी जिसके डर के कारण दाखिल हुई गर्भवती महिलाएं और उनके रिश्तेदार रात को ठहरने से डरते थे। स्थानीय लोगों ने जिला स्वस्थ विभाग अधिकारियों और प्रथम न्यूज़ का धन्यवाद किया है।

एसआईआर फॉर्म भरने के लिए रविवार को खुला रहा कीर्तनगढ़ का प्राइमरी स्कूल

अमृतसर (साहिब दयाल) फताहपुर इलाके के कई प्राथमिक स्कूल रविवार को एसआईआर (स्पेशल समरी रिवीजन) फॉर्म भरने के लिए खुले रहे। इन स्कूलों में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य सभी मतदाताओं के लिए एसआईआर फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया में तेजी लाना था। गांव कीर्तनगढ़ के सरकारी प्राइमरी स्कूल की हेड टीचर हरप्रीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा स्कूलों को खोलने का मुख्य उद्देश्य सभी मतदाताओं के लिए एसआईआर फॉर्म जमा करने की प्रगति सुनिश्चित करना है। शिक्षकों द्वारा शनिवार और रविवार सुबह आठ बजे से दोपहर तीन बजे तक गांव वासियों के फॉर्मों की ऑनलाइन फीडिंग सफलतापूर्वक की गई है। हरप्रीत कौर ने गांव के मतदाताओं, जनप्रतिनिधियों और आम जनता से निर्धारित तिथि से पहले अपने एसआईआर फॉर्म जमा करने की अपील की है। इस दौरान मैडम रहमत, आरती, रेखा सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल अमृतसर द डिजिटल स्कूल ऑफ़ द ईयर अवार्ड से सम्मानित

अमृतसर (साहिब दयाल) फताहपूर के नजदीक थांदे में स्थित माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल अमृतसर को प्रतिष्ठित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन अवार्ड फॉर द डिजिटल स्कूल ऑफ़ द ईयर से सम्मानित किया गया है। एजु मीडिया द्वारा पार्क प्लाज़ा चंडीगढ़ जीरकपुर में आयोजित एजुकेशन एक्सीलेंस कॉन्क्लेव में प्रदान किया गया।

स्कूल के निदेशक श्री गुरकीरत सिंह ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार स्कूल की ओर से ग्रहण किया। गुरकीरत सिंह ने कहा कि यह पुरस्कार स्कूल द्वारा पाठ्यक्रम में डिजिटल लर्निंग के एकीकरण में किए गए उत्कृष्ट प्रयासों और नवाचारों को मान्यता देता है। यह सम्मान तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण और भविष्य उन्मुख शिक्षा देने की स्कूल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। श्री गुरकीरत सिंह ने समर्पित शिक्षकों, प्रेरित विद्यार्थियों और सहयोगी अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनकी बदौलत यह उपलब्धि संभव हो सकी।

उन्होंने कहा, यह सम्मान हमें डिजिटल शिक्षा में निरंतर श्रेष्ठता की ओर बढ़ते रहने और प्रत्येक बच्चे को तकनीक-समर्थित, समग्र शिक्षा के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार करने हेतु प्रेरित करता है।

एस.आई.आर. के तहत जालंधर में दो दिवसीय विशेष कैंप सफलतापूर्वक समाप्त

बी.एल.ओ. द्वारा घर-घर जाकर गणना फॉर्म भरने का कार्य 24 जुलाई तक रहेगा जारी : जिला चुनाव अधिकारी

» प्रथम न्यूज । जालंधर
12 जुलाई (डोगरा)

भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब के निर्देशों के अनुसार स्पैशल इंटेंसिव रिवीजन (एस.आई.आर.) के तहत जिले भर के सभी बूथों पर लगाए गए दो दिवसीय विशेष कैंपों में बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपने गणना (एन्यूमरेशन) फॉर्म भरकर जमा करवाए।

डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी वरजीत वालिया ने बताया कि इन दो दिवसीय कैंपों के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (बी.एल.ओ.) द्वारा सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपने-अपने पोलिंग बूथों पर मौजूद रहकर गणना फॉर्म भरने और जमा करवाने की प्रक्रिया में मतदाताओं को पूरा सहयोग दिया गया। उन्होंने कहा कि विशेष कैंपों का मुख्य उद्देश्य गणना फॉर्मों की भरवाई, इकट्ठा करने और डिजिटाइजेशन में तेजी लाना था।

जिला चुनाव अधिकारी ने मतदाताओं के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इन कैंपों के दौरान प्राप्त गणना फॉर्मों का डिजिटाइजेशन भी साथ-साथ सुनिश्चित बनाया गया। उन्होंने कहा कि बी.एल.ओ. द्वारा घर-घर जाकर गणना फॉर्म भरने का कार्य 24 जुलाई 2026 तक जारी रहेगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि यदि कोई योग्य मतदाता किसी कारण अभी तक अपना गणना फॉर्म नहीं भर सका है तो वह बिना किसी देरी के अपने संबंधित बी.एल.ओ. से संपर्क करके फॉर्म भरने और जमा करने की प्रक्रिया पूरी कर ले।

श्री वालिया ने समय पर गणना फॉर्म जमा करवाने पर जोर देते हुए कहा कि ताकि कोई भी योग्य मतदाता वोटर लिस्ट में शामिल होने से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि एस.आई.आर.-2026 संबंधी किसी भी जानकारी या सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 1950 पर कॉल करके जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

SIR के तहत स्पेशल कैंप में वोटरों ने जोश के साथ अपनी डिटेल्स वेरिफाई कीं

» प्रथम न्यूज । जालंधर
12 जुलाई (डोगरा)

इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया की गाइडलाइंस के मुताबिक और डिप्टी कमिश्नर-कम-डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर, जालंधर श्री वरजीत वालिया, IAS और सब डिविजनल मजिस्ट्रेट-कम-इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, जालंधर-1 श्रीमती शुभी अंगरा, PCS. की लीडरशिप में, आज स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) कैंपेन के तहत पोलिंग बूथ पर स्पेशल कैंप लगाए गए, जिसमें वोटरों ने जोश के साथ हिस्सा लिया और अपनी वोटर डिटेल्स चेक और वेरिफाई करवाईं।

इस दौरान अपाहज आश्रम बूथ, पिंगला घर बूथ और साईं दास सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पटेल चौक में लगाए गए स्पेशल कैंप का दौरा किया गया। कैंप में वोटरों को SIR के बारे में ज़रूरी जानकारी दी गई और वोटर लिस्ट में अपना नाम, पता और दूसरी डिटेल्स वेरिफाई करने के लिए मोटिवेट किया गया।

इस मौके पर, 035 जालंधर सेंट्रल के नोडल ऑफिसर, श्री चंद्र शेखर और श्री मंजीत मैनी ने स्पेशल कैंप का इंस्पेक्शन किया और बूथों पर किए जा रहे इंतज़ामों का रिव्यू किया और BLOs से कहा कि वे हर एलिजिबल वोटर को समय पर और सही जानकारी और हर मुमकिन मदद दें।

इस विज़िट के दौरान, श्री राकेश शर्मा (प्रिंसिपल), श्री भूपिंदर सिंह (प्रिंसिपल), श्री संदीप सेठी, नीतीश राणा (सुपरवाइज़र), श्री बलदेव सिंह (सुपरवाइज़र, अपाहिज आश्रम) और संबंधित BLOs भी मौजूद थे। उन्होंने स्पेशल कैंप में आए वोटरों को SIR प्रोसेस, ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स और वोटर लिस्ट के वेरिफिकेशन के बारे में डिटेल में जानकारी दी और एलिजिबल वोटरों को इस कैंपेन में ज़्यादा से ज़्यादा हिस्सा लेने के लिए मोटिवेट किया।

श्री चंद्र शेखर और श्री मंजीत मैनी ने कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (स्ङ्क्र) का मुख्य मकसद वोटर लिस्ट को प्योर, सही और अपडेटेड बनाना है। उन्होंने सभी एलिजिबल वोटर्स से अपील की कि वे अपने पास के बूथ पर जाकर अपनी डिटेल्स वेरिफाई करवाएं और अगर कोई करेक्शन चाहिए, तो ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ एप्लीकेशन जमा करें।

स्पेशल कैंप के दौरान वोटर्स ने भी पूरा सपोर्ट किया। इस मौके पर मौजूद अधिकारियों ने भरोसा जताया कि SIR कैंपेन वोटर लिस्ट को और ज़्यादा सही, ट्रांसपेरेंट और भरोसेमंद बनाने में अहम योगदान देगा।

न्यूनतम वेतन केवल कागजों तक सीमित, शराब ठेका श्रमिकों का हो रहा शोषण: रविन्द्र सिंह रवि

» प्रथम न्यूज । जालंधर
12 जुलाई (डोगरा)

जालंधर वाइन एवं बीयर सेल्समैन तथा लेबर वर्कर यूनियन के महासचिव एवं राष्ट्रीय सचिव, ट्रेड यूनियन समन्वय केन्द्र (श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त) रविन्द्र सिंह रवि ने आरोप लगाया है कि पंजाब सरकार द्वारा हाल ही में घोषित न्यूनतम वेतन वृद्धि का लाभ जमीनी स्तर पर श्रमिकों को नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी केवल सरकारी घोषणाओं और भाषणों तक ही सीमित रह गई है।

रविन्द्र सिंह रवि ने बताया कि पंजाब के कई शराब ठेकेदार आज भी श्रमिकों को मात्र 6000 से 9000 रुपये मासिक वेतन दे रहे हैं, जो सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से काफी कम है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से शराब के ठेकों को सुबह 9 बजे से रात 12 बजे तक खुला रखने के आदेश लागू हैं, जिसके कारण ठेका श्रमिकों को प्रतिदिन लगभग 15 घंटे तक काम करना पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कई ठेकेदार खर्च बचाने के लिए पूरे ठेके पर केवल एक ही कर्मचारी नियुक्त करते हैं, जिससे श्रमिकों पर अत्यधिक कार्यभार पड़ता है। यह स्थिति श्रमिकों के अधिकारों और मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन है।

यूनियन ने लेबर कमिश्नर को भेजे गए पत्र में मांग की है कि शराब ठेकेदारों को श्रम कानूनों की पालना सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए जाएं। साथ ही नए लेबर कोड, वेज कोड एवं सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

सड़क धंसने के मुद्दे पर दीवान ने लुधियाना नगर निगम को घेरा, कहा– प्रशासनिक विफलता ने 'स्मार्ट सिटी' को 'नरक सिटी' बनाया

दीवान ने उच्च स्तरीय जांच, बी एंड आर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और दोषी ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की मांग की

» प्रथम न्यूज । लुधियाना
12 जुलाई (शाम सुन्दर सरपाल)

पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) लुधियाना के अध्यक्ष एवं पंजाब लार्ज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बोर्ड के पूर्व चेयरमैन पवन दीवान ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए, लुधियाना नगर निगम की बेहद खराब कार्यप्रणाली की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि शहर की टूटी-फूटी सड़कें अब जानलेवा सड़कें बन चुकी हैं, जहां रोजाना अलग-अलग इलाकों में हादसे हो रहे हैं। दीवान ने कहा कि मौजूदा सरकार के शासन में लुधियाना कथित स्मार्ट सिटी से घटकर नरक सिटी बन गया है, जहां प्रशासनिक उदासीनता और विफलता ने आम लोगों का आवागमन तक जानलेवा बना दिया है।

इसी क्रम में, शहीद भगत सिंह नगर स्थित बंद पड़े लुधियाना सिटी सेंटर प्रोजेक्ट के निकट कल सड़क धंसने की घटना का जिक्र करते हुए, दीवान ने कहा कि यह किसी नागरिक आपदा से कम नहीं है। प्रभावित स्थल का स्वयं दौरा करने के बाद जारी बयान में, उन्होंने कहा कि केवल दस दिन पहले भी इसी सड़क का एक हिस्सा धंस गया था, जो नगर निगम की घोर लापरवाही को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि जहां सड़क धंसी हुई है, वह पूरा क्षेत्र किसी जीवित नरक जैसा दिखाई देता है, जहां से गुजरने वाला कोई भी व्यक्ति गंभीर हादसे का शिकार हो सकता है।

दीवान ने नगर निगम की बी एंड आर शाखा के अधिकारियों को सड़कों की बदहाल स्थिति के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पहली ही बारिश में यह सड़क दो हिस्सों में बंट गई है। पूरे शहर में सड़कों की हालत बेहद खराब है और यह स्थिति अत्यंत शर्मनाक है। दीवान ने झंडू चौक के निकट हाल ही में सड़क धंसने की घटना का हवाला देते हुए, कहा कि शहर के अन्य हिस्सों, विशेषकर पाखोवाल रोड पर भी हालात बेहद खतरनाक हैं। उन्होंने बी एंड आर शाखा के अधिकारियों को इसका मुख्य दोषी बताते हुए कहा कि विभाग ने घटिया सामग्री से निर्माण कार्य कराने की अनुमति दी। उन्होंने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने तथा संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि रोजाना हादसे हो रहे हैं, लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है और कई लोग घायल हो रहे हैं।

दीवान ने लुधियाना नगर निगम की कार्यप्रणाली पर और नाराजगी जताते हुए, कहा कि भले ही लुधियाना को स्मार्ट सिटी का दर्जा दिया गया हो, लेकिन जमीनी हकीकत इसे नरक सिटी साबित करती है।

उन्होंने कहा कि लुधियाना अब गड्ढों का शहर बनकर रह गया है। नगर निगम कुंभकर्ण की तरह गहरी नींद में सोया हुआ है और टूटती सड़कों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। बड़े-बड़े होर्डिंग्स पर हजारों किलोमीटर सड़कें बनाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन 600 मीटर लंबी सड़कें भी गड्ढों से भरी पड़ी हैं और उनकी मरम्मत तक नहीं की जाती। यदि नगर निगम लोगों की बुनियादी समस्याओं का समाधान भी नहीं कर सकता, तो उसके अस्तित्व का उद्देश्य क्या है?

दीवान ने मामले की गहन जांच कराने के साथ-साथ लापरवाही के लिए जिम्मेदार बी एंड आर अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि घटिया सामग्री से सड़कें बनाने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाना चाहिए और उन पर भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए। साथ ही, धंसी हुई सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता इंद्रजीत कपूर तथा एडवोकेट संदीप अरोड़ा सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

फताहपुर की गलियों में फैली गंदगी, पूरे गांव का बुरा हाल, इलाका वासियों का जीना मुश्किल

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
12 जुलाई (साहिब दयाल)

वार्ड नंबर 73 गंदगी और बदबू की बीमारी से जूझ रहा है। इस वार्ड के लोग प्रशासन और नगर निगम की अनदेखी का खामियाजा झेल रहे हैं। यहां सीवरेज जाम सड़कों पर फैले गंदे पानी और जलभराव की समस्या बनी हुई है। एक घंटे की बारिश में गलियां तालाब बन जाती हैं। घरों में गंदे पानी की सप्लाई हो रही है। शिकायतें बहुत की गईं, लेकिन समाधान आज तक नहीं मिला। बाबा मोती राम मेहरा गुरद्वारा साहिब रोड पर कई दिनों से कूड़े का ढेर पड़ा हुआ है। लोग कीचड़ से होकर आने-जाने को मजबूर हैं। पशुओं की डेहरिया में जाती सड़क पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से सड़कें तालाब बन गई हैं। पीने लायक कहीं पानी आता ही नहीं, तो कहीं बदबूदार और काला पानी पहुंचता है। सफाई कर्मियों द्वारा नियमित सफाई न होने से कई स्थानों पर कूड़े के ढेर और गंदगी दिखाई देती है, कूड़ेदान भरे पड़े हैं। लोगों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। कई परिवारों का कहना है कि फताहपुर में कांग्रेसी पार्टी के पार्षद कुलदीप सिंह को भारी बहुमत से विजयी बनाया था, लेकिन उनके द्वारा करवाया कोई भी काम धरातल पर हुआ नहीं दिखता। लोगों को उम्मीद थी कि यह अब गांव नहीं, शहर जैसी सुविधाएं मिलेंगी। लेकिन हकीकत इसके उलट हो गई। लोग नल और निजी समर्सिबल के भरोसे हैं। इस बारे में कांग्रेसी पार्षद कुलदीप सिंह ने कहा कि हमारी सरकार नहीं है, इलाके में छोटा मोटा काम समय पर करवा दिया जाता है।

पटना में शहीद सुखदेव थापर चौंक का निर्माण करने के बाद लगेगी शहीद की प्रतिमा : मंत्री संजय पासवान

» प्रथम न्यूज । लुधियाना
12 जुलाई (शाम सुन्दर सरपाल)

बिहार सरकार पटना में शहीद-ए-आज़म सुखदेव थापर की भव्य प्रतिमा स्थापित करेगी इसके साथ ही राजधानी पटना के एक प्रमुख चौक का नाम भी शहीद सुखदेव थापर के नाम पर रखा जाएगा। उक्त घोषणा पिछले दिनों शहीद सुखदेव की जन्म स्थली पर दर्शन करने पंहुचे बिहार के मंत्री संजय पासवान ने की। मंत्री संजय पासवान ने कहा कि देश की आज़ादी के लिए शहीद सुखदेव थापर का बलिदान सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। नई पीढ़ी को उनके त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति से परिचित कराने के उद्देश्य से यह कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान और उनकी विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वहीं पासवान ने बताया कि लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने लुधियाना रेलवे स्टेशन का नाम शहीद सुखदेव थापर के नाम रखने का मामला भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के समक्ष रखने का भरोसा दिलाया है। शहीद सुखदेव थापर के वंशज अशोक थापर व त्रिभुवन थापर ने इस घोषणा का स्वागत करते हुए बिहार सरकार तथा मंत्री संजय पासवान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल शहीद सुखदेव थापर के परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। इससे युवाओं में देशभक्ति की भावना और अधिक मजबूत होगी तथा शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को उचित सम्मान मिलेगा। उल्लेखनीय है कि शहीद सुखदेव थापर ने शहीद भगत सिंह और शिवराम राजगुरु के साथ देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनके सम्मान में बिहार में शहीद सुखदेव थापर की प्रतिमा स्थापना और चौक का नामकरण राष्ट्र के महान क्रांतिकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि माना जा रहा है।

(ब्लॉक 32) नूरवाला रोड पर रेसिडेंशियल एरिया में इललीगल कॉमर्शियल निर्माण की पांचवी मंजिल के लैंटर की तैयारी, बिल्डिंग ब्रांच खामोश

» प्रथम न्यूज । लुधियाना
12 जुलाई (शाम सुन्दर सरपाल)

लुधियाना नगर निगम की बिल्डिंग ब्रांच के अधिकारी सुधरने का नाम नही ले रहे आयोजित बैठको में भी कमिश्नर को भी गुमराह करके अपना उल्लू सीधा कर रहे है चर्चा का विषय है कि शहर में नाजायज़ बन रही बिल्डिंगों के निर्माण को रोकने के लिये कमिश्नर व बिल्डिंग ब्रांच के इंचार्ज तपन भनोट, एमटीपी के कंट्रोल में नही है असलियत में जो अधिकारी विधायको का चमचागिरि करके मलाईदार सीटों पर बैठ जाते है वो ही इललीगल निर्माणकर्ताओ से सेटिंग करके अपना व अपने आका का

स्वार्थ की पूर्ति करते है इस की चर्चा निगम कार्यालयों में सुनने को मिलती रहती है लेकिन इस की पुष्टि दैनिक प्रथम न्यूज़ नही करता सूत्रों के अनुसार पूर्वी हल्के के नूरवाला रोड पर वार्ड 3 और 4 में नाजायज़ बिल्ड़ंग का निर्माण बड़े धड़ल्ले से हो रहा है वार्ड नं 4 के अधीन ग्रेवाल कॉलोनी नजदीक विवेक धाम में करीब 1200 गज एग्रीकल्चर जमीन पर नाजायज़ कॉलोनी काट दी गई है सबसे बड़ा पहलू यह सामने आ रहा उस नाजायज कॉलोनी में पानी व सीवरेज की।

व्यवस्था कर दी गई है उधर निगम ओ एंड एम विभाग के अधिकारी का मानना है कि निगम की और से बिना चार्जेज जमा होने के बाद ही सुविधा दी जाती है अगर कॉलोनी नाजायज़ है तो फिर सुविधाओं देने का सवाल ही पैदा नही होता इस के साथ ही बसंत विहार कॉलोनी एक रेसिडेंशियल एरिया में इललीगल कॉमर्शियल बहू मंजिला बिल्डिंग भी चर्चा का केन्द्र बनी हुई है स्थानीय निवासी ने निगम कमिश्नर को शिकायत भेज कर नाजायज बिल्डिंगों व कॉलोनी के खिलाफ उचित एक्शन लेने की मांग की है साथ मे ही इस नाजायज कॉलोनी व नूरवाला रोड निर्माणाधीन बिल्डिंगों में लिप्त अधिकारियों पर विभागीय एक्शन लिया जाना चाहिए निगम के राजस्व को आर्थिक नुकसान करने वाले अधिकारियों के फंडों से पैसे की बसूली की जाए और सर्विस बुक में पब्लिक डीलिंग पर न लगाने के हुक्म जारी करे उक्त मामले में कमिश्नर ओजस्वी अलकंर से बात नही हो सकी लेकिन एमटीपी विजय कुमार ने सख्त स्वर में कहा कि नाजायज कॉलोनी पर पीला पंजा चलाया जाएगा और बाकी नाजायज़ निर्माणाधीन बिल्डिंगों पर विभागीय कार्यवाही करते हुए बिल्डिंगों को सील किया जाएगा शिकायतकर्ता ने शिकायत की प्रति प्रिंसिपल सेक्रेटरी, चीफ सेक्रेटरी, लोकल बॉडीज़ विभाग के सेक्रेटरी को भेज कर नाजायज़ निर्माण व इललीगल कॉलोनी काटने वालो के खिलाफ उचित एक्शन लेने के साथ ही निगम के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी एक्शन लेने की मांग की है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

जिला कोली समाज की नई कार्यकारिणी ने संभाला कार्य भार

पट्टा मेहलोग, 12 जुलाई (तारा) – जिला कोली समाज की त्रैमासिक बैठक प्रदेश कोली समाज के संरक्षक रोशनलाल डोगरा व जिला अध्यक्ष राजेश शांडिल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी को अपना कार्यभार संभालने के लिए अधिकृत किया गया ।इससे पूर्व जिला की पुरानी कार्यकारिणी ने सभी दस्तावेज व अन्य रिकॉर्ड प्रदेश कार्यकारिणी के की उपस्थिति में जिला कार्यकारिणी को सौंपा गया।

जिला महासचिव धीरज चौहान ने सभी स्वजातीय बंधुओं से समाज के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग करने की अपील की व कहा कि भविष्य में समाज को और अधिक मजबूत व जागरूक बनाया जाएगा, उन्होंने कहा कि शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए कैरियर काउन्सिलिंग व अन्य आय उपार्जन साधनों से जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे ।ताकि उनके जीवन स्तर में सुधार आए।

प्रदेश महा सचिव गोपाल झिल्टा ने पुरानी कार्यकारिणी के सदस्यों को उनके कार्यकाल में उत्कृष्ट कार्य करने को लेकर सम्मानित किया गया । इस दौरान प्रदेश महासचिव गोपाल झिल्टा ने समुदाय के लोगों को एक जुटता का पाठ पढ़ाया व विभिन्न महा पुरुषों की जयंतियों को मनाने की बात कही। इस दौरान सभी वक्ताओं ने पुरानी कार्यकारिणी द्वारा किए गए समाज हित के कार्यों की सराहना की व भविष्य में उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया गया ।नव नियुक्त प्रधान राजेश शांडिल व महा सचिव धीरज चौहान ने कहा वे सभी स्वजातीय बंधुओं के अनुभव व मार्ग दर्कोशान में समाज हित में कार्य करेंगे।

इस बैठक में पूर्व महा सचिव जगदेव गर्ग, रूपेन्द्र कौशल, जगदीश पंवर ,नेत्र सिंह चौहान, पुष्पेंद्र कुमार, लायक राम कौशल, संदीप तंवर, देवा नंद, प्राणनाथ तनवर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

माँ भगवती संकीर्तन मंडली ने निभाया सामाजिक दायित्व, अर्की गौशाला को भेंट की एक गाड़ी तूड़ी

अर्की (योगेश चौहान)– उपमंडल अर्की की माँ भगवती संकीर्तन मंडली ने अध्यक्ष बाला शर्मा के नेतृत्व में अर्की गौशाला को एक गाड़ी तूड़ी भेंट की। इस अवसर पर मंडली की सदस्यों ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है तथा सभी लोगों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार इस कार्य में सहयोग देना चाहिए।

अर्की गौशाला प्रबंधन समिति ने मंडली एवं अध्यक्ष बाला शर्मा सहित सभी सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समिति ने कहा कि सामाजिक सहयोग से गौशाला के संचालन में सहायता मिलती है तथा गौवंश के लिए चारे की व्यवस्था करने में सहयोग प्राप्त होता है। उन्होंने अन्य दानी सज्जनों और सामाजिक संगठनों से भी गौसेवा के लिए आगे आने की अपील की।

इस दौरान हिंदू जागृति मंच अर्की के सदस्य विजय भारद्वाज, धर्मेंद्र ठाकुर तथा समाजसेवी अमरीश कश्यप भी उपस्थित रहे।

भूमती के गगन शर्मा बने युवाओं के लिए प्रेरणा, छोटे बगीचे से लिख रहे सफलता की नई कहानी

अर्की (योगेश चौहान)– उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत भूमती के प्रगतिशील किसान एवं प्रकृति प्रेमी गगन शर्मा अपनी मेहनत, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण के कारण क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरे हैं। सीमित भूमि में उन्होंने आधुनिक तकनीक और लगन के साथ ऐसा बगीचा विकसित किया है, जहां लीची, पेपिनो (अमेरिकन फल), इलायची सहित विभिन्न प्रकार के फलदार पौधे सफलतापूर्वक तैयार किए जा रहे हैं।

गगन शर्मा केवल बागवानी तक ही सीमित नहीं हैं। उन्होंने अपने छोटे से खेत में परिवार की आवश्यकताओं के अनुरूप लगभग सभी प्रकार की ऑर्गेनिक सब्जियों की खेती भी शुरू की है। इससे न केवल परिवार को रसायनमुक्त एवं पौष्टिक भोजन मिल रहा है, बल्कि प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा मिल रहा है।

प्रकृति के प्रति उनका लगाव उनकी सबसे बड़ी पहचान है। वे प्रत्येक वर्ष कम से कम 20 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना सक्रिय योगदान दे रहे हैं। इस पुनीत कार्य में उनकी धर्मपत्नी अनीता शर्मा भी बराबरी से उनका सहयोग करती हैं। दोनों मिलकर हरियाली बढ़ाने और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश दे रहे हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि इच्छाशक्ति और मेहनत हो तो उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

गगन शर्मा का कहना है कि प्रकृति से जुड़कर खेती करना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित पर्यावरण छोड़ने का भी सबसे प्रभावी माध्यम है।

हिमाचल में ग्रीन बिल्डिंग कोड अनिवार्य

बड़े भवनों पर लागू होंगे

» प्रथम न्यूज । शिमला
12 जुलाई (एएम नाथ)

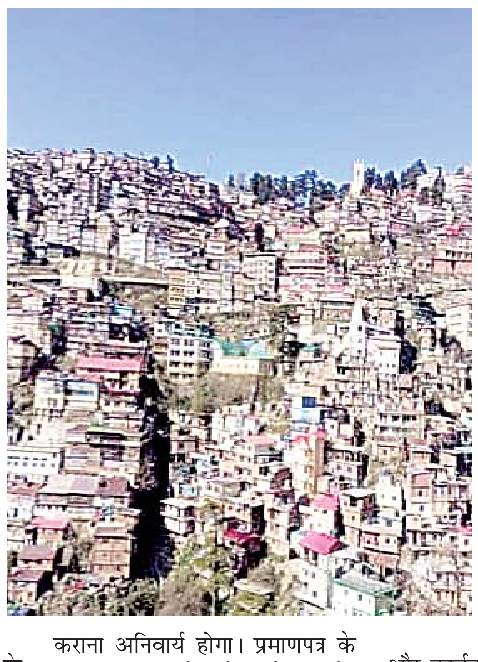

हिमाचल प्रदेश सरकार ने ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल निर्माण को बढ़ावा देने के लिए बड़े भवनों पर ग्रीन बिल्डिंग कोड का पालन अनिवार्य कर दिया है। नगर एवं ग्राम नियोजन (टीसीपी) विभाग द्वारा जारी संशोधन नियम, 2026 के तहत होटल, रिसॉर्ट, अस्पताल, शॉपिंग मॉल, व्यावसायिक कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान, मल्टीप्लेक्स, सार्वजनिक भवन और बड़े रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स को हिमाचल प्रदेश ऊर्जा संरक्षण भवन कोड के अनुरूप निर्माण करना होगा। भवन का नक्शा तभी स्वीकृत होगा, जब उसमें ग्रीन बिल्डिंग कोड के प्रावधान शामिल होंगे।

नए नियमों के अनुसार निर्माण शुरू होने से पहले और ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट जारी होने से पूर्व भवन के डिजाइन का सत्यापन बीईई अथवा राज्य सरकार से अधिकृत एनर्जी ऑडिटर से कराना अनिवार्य होगा। प्रमाणपत्र के बिना प्रक्रिया पूरी नहीं मानी जाएगी। सरकार ने ग्रीन रेटिंग प्राप्त परियोजनाओं को 0.25 अतिरिक्त एफएआर देने का प्रावधान किया है। हालांकि, अतिरिक्त एफएआर लेने के बाद निर्धारित ग्रीन रेटिंग हासिल नहीं करने वाले डेवलपर्स पर सामान्य प्लानिंग फीस का 10 गुना तक जुर्माना लगाया जाएगा।

कोड के तहत ऊर्जा दक्ष डिजाइन, प्राकृतिक रोशनी व वेंटिलेशन, बेहतर इंसुलेशन, ऊर्जा बचाने वाली विद्युत एवं एयर कंडीशनिंग प्रणाली, वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा तथा कार्बन उत्सर्जन कम करने जैसे उपाय अनिवार्य किए गए हैं। नगर एवं ग्राम नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि इन प्रावधानों से ऊर्जा दक्ष भवनों का निर्माण बढ़ेगा, बिजली की खपत और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी तथा प्रदेश में सतत एवं पर्यावरण अनुकूल शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पौधारोपण कर, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

» प्रथम न्यूज । बद्दी
12 जुलाई (गुरजीत सिंह)

औद्योगिक क्षेत्र बरोटीवाला के मंधाला स्थित आयोजित अभियान में कॉलोनीवासियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

औद्योगिक क्षेत्र बरोटीवाला के मंधाला स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रविवार को पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान कॉलोनी परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में सन फार्मा के प्लांट हेड अमित माजी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कॉलोनीवासियों के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। इस मौके पर सुनील वर्मा, विपिन, हरदेव, समीर, जसवंत, अशोक राणा सहित अन्य कॉलोनीवासियों ने पौधारोपण अभियान में बढ़–चढ़कर भाग लिया।

अभियान के दौरान लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की जरूरत है। यदि प्रत्येक व्यक्ति पौधारोपण के साथ उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाए तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक परिणाम सामने आ सकते है।

मेले व छिंजे हमारी संस्कृति की परम धरोहर है अजीत कम्पोज

बिलासपुर /बरठीं-- जितेंद्र गौतम /देशराज– बरठीं दंगल कमेटी द्वारा आयोजित पारंपरिक विशाल दंगल का आयोजन बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस विशाल दंगल में मुख्यातिथि अजीत कम्पोज ने शुभारंभ करने के पश्चात कहा कि मेलें व छिजे हमारी संस्कृति की परम धरोहर है इन्हें संजोए रखना हम सभी का परम कर्तव्य है गौरतलब है कि इस विशाल दंगल में हिमाचल प्रदेश के अलावा दिल्ली सहित विभिन्न बाहरी राज्यों से पहुंचे नामी पहलवानों ने अपने दमखम का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पूरे दिन चले रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। विजेता पहलवानों को पत्रकार अजीत कंबोज ने पुरस्कार वितरित किए। दंगल कमेटी के प्रधान सुशील गौतम ने बताया कि वर्ष 2015 से बरठीं दंगल कमेटी लगातार इस पारंपरिक कुश्ती प्रतियोगिता का सफल आयोजन करती आ रही है। उन्होंने कहा कि दंगल का उद्देश्य ग्रामीण खेलों और भारतीय कुश्ती परंपरा को बढ़ावा देना तथा युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना है। छोटी माली के फाइनल मुकाबले में सोनू (धुमारवीं) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जन (दिल्ली) को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। विजेता सोनू को गुर्ज के साथ 4,100 रुपये, जबकि उपविजेता अर्जन को गुर्ज के साथ 3,100 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

वहीं बड़ी माली के रोमांचक फाइनल में मुकेश (डभाबाल) ने बेहतरीन कुश्ती का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। विजेता मुकेश को गुर्ज के साथ 6,100 रुपये तथा उपविजेता सिद्धार्थ (सुंदरनगर) को गुर्ज के साथ 5,100 रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान सुशील गौतम, महासचिव विनोद गौतम, कोषाध्यक्ष अशोक धीमान, उपप्रधान सतीश गौतम, कुलदीप कंबोज, पूर्व प्रधान प्रेम लाल गौतम, मूलराज शर्मा, राजकुमार, गोविंद, जगदीश, चौधरी बिशन दास, सुरिंदर शर्मा, शशीपाल, कुलदीप धीमान उप–प्रधान बरठीं पंचायत राकेश मैहता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चुराह की एक ओर बेटी पायल सूर्यवंशी ने फिर बढ़ाया प्रदेश का मान

» प्रथम न्यूज । चम्बा
12 जुलाई (एएम नाथ)

सा रे गा मा पा ऑडिशन तक बनाई जगह

जिला चंबा की चुराह तहसील के हिमगिरी क्षेत्र की होनहार गायिका पायल सूर्यवंशी ने अपनी मधुर आवाज़ और अथक मेहनत के दम पर ंद्व्द्द झ्ङ्क के लोकप्रिय संगीत रियलिटी शो %सा रे गा मा पा% के ऑडिशन तक अपनी जगह बनाई है। पायल की इस उपलब्धि से पूरे चुराह क्षेत्र और जिला चंबा में खुशी की लहर है।

यह पहली बार नहीं है जब पायल ने किसी बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया हो। इससे पहले वह वॉयस ऑफ पंजाब सीजन–16 में भी अपनी गायकी का हुनर दिखा चुकी हैं, जहां उनके प्रदर्शन की काफी सराहना हुई।

पायल की लगातार मिल रही सफलताएं यह साबित करती हैं कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती। चुराह जैसे दूरदराज़ क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के मंचों तक पहुंचना क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा है।

अब सभी को उम्मीद है कि पायल आगे के राउंड में भी शानदार प्रदर्शन कर चंबा और हिमाचल प्रदेश का नाम पूरे देश में रोशन करेंगी।

विबी-जी रामजी पर अफवाह नहीं, योजनाओं का लाभ उठाए सरकार : जयराम ठाकुर

कहा, सीएम बेहतर प्रदर्शन कर हिमाचल को दिलाएं अधिक परफॉर्मेंस ग्रांट, विबी-जी रामजी के खिलाफ दुष्प्रचार बंद करे सरकार : नेता प्रतिपक्ष

» प्रथम न्यूज । मंडी
12 जुलाई (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (विबी–जी रामजी) को लेकर कथित दुष्प्रचार बंद कर उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार यदि योजना को बेहतर ढंग से लागू करती है तो हिमाचल प्रदेश को प्रदर्शन आधारित 20 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान (परफॉर्मेंस ग्रांट) का लाभ मिल सकता है।

मंडी से जारी बयान में जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी और कांग्रेस नेता विबी–जी रामजी को लेकर दिहाड़ी में कमी, प्रशासनिक खर्च और केंद्रीय अनुदान में कटौती जैसे भ्रामक दावे कर रहे हैं, जबकि ये आरोप तथ्यहीन साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने परफॉर्मेंस ग्रांट 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दी है और हिमाचल प्रदेश को पहले नौ महीनों के लिए 1203 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह योजना प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए आश्रय स्थल, तटबंध, बाढ़ नियंत्रण, पुनर्वास और वनाग्नि प्रबंधन जैसे कार्यों का प्रावधान करती है। उन्होंने आग्रह किया कि सरकार राजनीतिक बयानबाजी के बजाय इन प्रावधानों का लाभ उठाकर प्रदेश को अधिक सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करे।

जयराम ठाकुर ने दावा किया कि विबी–जी रामजी में रोजगार की पारदर्शिता, समय पर भुगतान, जवाबदेही और रोजगार के अवसरों का विस्तार सुनिश्चित किया गया है। उनके अनुसार योजना के तहत 100 दिनों के बजाय 125 दिनों तक रोजगार देने का प्रावधान है तथा निर्माण कार्यों में केंद्र की हिस्सेदारी भी बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता को भ्रमित करने के बजाय योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना चाहिए।

एनटीपीसी कोलडैम परिसर में पौधरोपण कर वन संरक्षण का लिया संकल्प

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
12 जुलाई (धर्मानी)

धर्मानी हिमाचल प्रदेश वन विभाग एवं एनटीपीसी कोलडैम के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार सांयएनटीपीसी कोलडैम परिसर में पौधारोपण कर वन संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ हिमाचल प्रदेश के वन बल प्रमुख एवं सीपीडी जाइका डॉ. संजय सूद ने किया।

डॉ. संजय सूद ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ते जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। गौरतलब है कि कार्यक्रम का आयोजन हिमाचल प्रदेश वन विभाग के सदर वन परिक्षेत्र, बिलासपुर वन मंडल तथा एनटीपीसी कोलडैम के सहयोग से किया गया। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा एनटीपीसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में हरित क्षेत्र का विस्तार करना, जैव विविधता का संरक्षण करना तथा लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बीवी न करना है। आने वाले समय में भी विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक पौधे लगाकर हरित हिमाचल के लक्ष्य को साकार किया जा सके। एनटीपीसी कोलडैम भी पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत समय–समय पर पौधारोपण सहित विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों का संचालन करता रहा है।

The Beginners, संस्था शिमला की प्रस्तुति 'सालगिरह स्यापा' का ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में सफल मंचन

» प्रथम न्यूज । शिमला
12 जुलाई (वंदना शर्मा)

The Beginners, संस्था, शिमला द्वारा भाषा, कला एवं संस्कृति अकादमी, शिमला के सहयोग से ऐतिहासिक गेयटी थिएटर, शिमला में हास्य नाटक 'सालगिरह स्यापा' का सफल मंचन किया गया। यह नाटक रूसी साहित्यकार Anton Chekhov की प्रसिद्ध रचनाओं 'The Anniversary' और 'The Lottery Ticket' का हिमाचली परिवेश में किया गया एक सशक्त एवं मनोरंजक रूपांतरण है। हिमाचली परिवेश में रूपांतरित हास्य नाटक 'सालगिरह स्यापा' की कहानी एक सहकारी बैंक के इर्द–गिर्द घूमती है, जहाँ बैंक अपनी स्थापना दिवस (सालगिरह) समारोह की तैयारियों में व्यस्त है। समारोह के दिन एक के बाद एक कई विचित्र किरदार बैंक पहुँचते हैं। कोई वर्षों पुरानी रकम की मांग लेकर आता है, तो कोई दावा करता है कि उसकी लॉटरी लग गई है और वह अपनी जीत की राशि लेने आया है, जबकि बाद में पता चलता है कि उसकी लॉटरी वास्तव में लगी ही नहीं होती। इसी बीच बैंक प्रबंधक की पत्नी भी बैंक पहुँच जाती है और अपने परिवार तथा मायके के किस्से सुनाने लगती है। उसकी बातों और लगातार बढ़ती बहसों से बैंक का माहौल पूरी तरह अस्त–व्यस्त हो जाता है। अलग–अलग पात्रों की अजीबोगरीब मांगें, गलतफहमियाँ और हास्यास्पद परिस्थितियाँ सालगिरह समारोह को धीरे–धीरे स्यापा में बदल देती हैं। अंततः दर्शकों के सामने हास्य और व्यंग्य से भरपूर घटनाओं की ऐसी श्रृंखला सामने आती है, जो लालच, भ्रम, पारिवारिक नोकझोंक और कार्यालयी अव्यवस्था पर तीखा कटाक्ष करती है। पूरे नाटक में हास्य के साथ यह संदेश भी उभरकर आता है कि कल्पनाओं और लालच में उलझा व्यक्ति अक्सर वास्तविकता से दूर होता नाटक का निर्देशन कपिल देव शर्मा ने किया। उनके निर्देशन में कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय और उत्कृष्ट मंच उपस्थिति से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मंच पर अधिराज शर्मा, श्रुति रोहटा, अमृतांश, सुमित, अभिजीत, राधिका, आर्यन, कपिल देव शर्मा तथा अन्य कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय प्रस्तुत कर पात्रों को जीवंत बना दिया। नाटक की प्रकाश व्यवस्था की जिम्मेदारी रूपेश भीमटा ने बखूबी निभाई, जबकि चेतन कुमार (लकी) ने अपने प्रभावी संगीत संयोजन से प्रस्तुति को और अधिक आकर्षक बनाया। मंचन के उपरांत दर्शकों ने कलाकारों और पूरी टीम की जोरदार तालियों के साथ सराहना की। हास्य, व्यंग्य और हिमाचली परिवेश के सुंदर समन्वय से सजी 'सालगिरह स्यापा' ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए एक सार्थक सामाजिक संदेश भी दिया। इस सफल प्रस्तुति ने एक बार फिर सिद्ध किया कि विश्व साहित्य की कालजयी कृतियों को स्थानीय परिवेश में प्रस्तुत कर उन्हें नई संवेदना और व्यापक दर्शक–स्वीकृति प्रदान की जा सकती है।

दुर्गम क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विकास पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता: रोहित ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला
12 जुलाई (बी.शर्मा)

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने रविवार को जुब्बल विधानसभा क्षेत्र की दूरदराज़ ग्राम पंचायत सोलंग का दौरा कर लगभग 34 लाख रुपये की लागत से निर्मित दो महत्वपूर्ण विकास कार्य जनता को समर्पित किए। उन्होंने 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित राजकीय प्राथमिक पाठशाला सोलंग के नए भवन तथा 9 लाख रुपये से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है और सोलंग जैसी दुर्गम पंचायत में प्राथमिक विद्यालय भवन का निर्माण इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नए विद्यालय भवन से स्थानीय बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा तथा ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का आधार और अधिक सुदृढ़ होगा। रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्य कर रही है। राज्य के कुल बजट का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा पर व्यय किया जा रहा है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और सुदृढ़ बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रथम चरण के तहत 151 विद्यालयों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के प्रारंभ में शिक्षा विभाग में लगभग 15 हजार पद रिक्त थे। इनमें से करीब 9 हजार पद भरे जा चुके हैं तथा लगभग 3 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए 20 लाख रुपये तक का ऋण मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिल रही है। शिक्षा मंत्री ने 9 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण करते हुए कहा कि इससे स्थानीय ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक तथा सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

उन्होंने सोलंग पंचायत में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पंचायत उत्तराखंड की सीमा से सटी जुब्बल क्षेत्र की महत्वपूर्ण पंचायत है और यहां के लोगों का उन्हें सदैव स्नेह एवं सहयोग मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पंचायत में 84 लाख रुपये की लागत से नडली सेंज–नगाली शाशन सड़क, 26 लाख रुपये की लागत से किमटा बस्ती–सास्कीर सड़क तथा किमटा बस्ती से पटाला सड़क का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सोलंग के भवन की मरम्मत पर 15 लाख रुपये व्यय किए गए हैं, 15 लाख रुपये की लागत से खेल मैदान का निर्माण किया गया है तथा विद्यालय के पुराने भवन की मरम्मत पर 1.80 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। पंचायत के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों के भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्यों के लिए कुल 65 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि समीपवर्ती पंचायत पंद्रानू में 1.74 करोड़ रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जो शीघ्र ही पूर्ण होकर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया जाएगा। इसके अलावा कुड्डू में 86.61 लाख रुपये की लागत से आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण भी जारी है। किरण क्षेत्र में छह नई सड़कों की स्वीकृति दी गई है तथा ग्राम पंचायत सोलंग के लिए 5.40 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित उठाऊ सिंचाई योजना को वित्तपोषण के लिए भेजा जा चुका है।

दौरे के दौरान शिक्षा मंत्री ने ग्राम पंचायत अंटी के ग्रामीणों से भी मुलाकात की तथा सभाड़–अंटी–छाजपुर सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। आगामी सेब सीजन को ध्यान में रखते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी संपर्क मार्गों को समय रहते दुरुस्त रखने के निर्देश दिए, ताकि किसानों और बागवानों को सेब परिवहन के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि अंटी–सभाड़ संपर्क मार्ग के उन्नयन, चौड़ीकरण एवं स्तरोन्नयन का कार्य लगभग 12.78 करोड़ रुपये की लागत से प्रगति पर है। वहीं सड़क के जीरो पॉइंट निर्माण के लिए लगभग 5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि भी स्वीकृत की गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और स्वीकृत धनराशि का शीघ्र उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रोहित ठाकुर ने कहा कि सोलंग, सास्कीर और किरण क्षेत्र से उनका पारिवारिक एवं भावनात्मक जुड़ाव रहा है और वे भविष्य में भी क्षेत्र के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।

इस अवसर पर जुब्बल–नावर–कोटखाई कांग्रेस मंडल अध्यक्ष जितेंद्र मेहता, जिला परिषद सदस्य नेहा मेहता, पंचायत समिति अध्यक्षा कमलेश झगटा, पंचायत समिति उपाध्यक्ष लोकपाल शरखोली, युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक कालटा, ग्राम पंचायत सोलंग के प्रधान, ग्राम पंचायत कुड्डू के प्रधान लक्ष्मण चौहान, उपप्रधान विजेंद्र चौहान, ग्राम पंचायत अंटी के प्रधान मोही राम, उपप्रधान महानंद, बीडीसी सदस्य होमिन्दर शर्मा, उत्तराखंड से सटी पंचायतों के प्रतिनिधि, उपमंडलाधिकारी (जुब्बल) गुरमीत नेगी, बीडीओ जुब्बल करण सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का
संपादकीय
विवेक धीर

विनाशकारी युद्धः होर्मुज संकट, अमेरिका-ईरान टकराव और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंडराता खतरा

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक, सामरिक और वैचारिक प्रतिद्वंद्विता एक बार फिर गंभीर सैन्य संघर्ष का रूप लेती दिखाई दे रही है। हाल के घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों के बीच हुआ युद्धविराम अब केवल कागजों तक सीमित रह गया है। जिस आशंका को अंतरराष्ट्रीय समुदाय लंबे समय से व्यक्त कर रहा था, वह अब वास्तविकता का रूप ले चुकी है।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती सैन्य कार्रवाई के कारण विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य एक बार फिर संकट के केंद्र में आ गया है। यदि यह संघर्ष और बढ़ता है तो इसके परिणाम केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक शांति पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

हाल के दिनों में ईरान द्वारा साइप्रस के झंडे वाले एक जहाज पर हमला किए जाने के बाद स्थिति और अधिक विस्फोटक हो गई। इससे पहले भी ईरान कई जहाजों को यह कहते हुए निशाना बना चुका है कि वे उसके निर्धारित समुद्री मार्ग का पालन नहीं कर रहे थे। इन घटनाओं से यह संकेत मिलता है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना प्रभाव और नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। लेकिन यह मार्ग केवल ईरान का नहीं, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग है, जहां से दुनिया के अनेक देशों का व्यापार संचालित होता है। ऐसे में किसी एक देश द्वारा इस पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास वैश्विक समुद्री कानूनों और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के विरुद्ध माना जाएगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य का रणनीतिक महत्व अत्यंत व्यापक है। यह फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल तथा बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, इराक, कतर और अन्य खाड़ी देशों से निर्यात होने वाला अधिकांश तेल इसी रास्ते से दुनिया के विभिन्न देशों तक पहुंचता है। यदि इस समुद्री मार्ग पर आवागमन बाधित होता है तो सबसे पहले तेल और गैस की वैश्विक कीमतों में भारी वृद्धि होगी। इसका सीधा असर परिवहन, उद्योग, कृषि, बिजली उत्पादन और आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

दूसरी ओर अमेरिका का दृष्टिकोण भी स्पष्ट है। अमेरिका लंबे समय से इस क्षेत्र में समुद्री व्यापार की स्वतंत्रता और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की नीति पर कार्य करता रहा है। वह किसी भी स्थिति में ईरान को होर्मुज पर एकाधिकार स्थापित करने की अनुमति नहीं देना चाहता। यही कारण है कि अमेरिकी नौसेना लगातार इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है। अमेरिका का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर किसी भी देश का नियंत्रण वैश्विक व्यापार और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

ईरान का तर्क है कि पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों और सैन्य दबाव के कारण उसे अपनी सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाने पड़ रहे हैं। लेकिन जहाजों पर हमले और समुद्री मार्गों को बाधित करने जैसी कार्रवाइयों को अंतरराष्ट्रीय समुदाय स्वीकार नहीं कर सकता। यदि हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर वैश्विक व्यापारिक मार्गों को नियंत्रित करने लगे तो पूरी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था संकट में पड़ जाएगी। इस संघर्ष का सबसे बड़ा नुकसान विश्व अर्थव्यवस्था को हो सकता है। पहले से ही कई देश महंगाई, आर्थिक मंदी, बेरोजगारी और आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं से जूझ रहे हैं। यदि तेल की कीमतें अचानक बढ़ती हैं तो परिवहन लागत बढ़ेगी, औद्योगिक उत्पादन महंगा होगा और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भी वृद्धि होगी। इससे विकासशील देशों पर सबसे अधिक दबाव पड़ेगा, जहां पहले से ही आर्थिक संसाधन सीमित हैं।

भारत के संदर्भ में यह संकट और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। यदि होर्मुज मार्ग बाधित होता है तो भारत को अधिक कीमत पर तेल खरीदना पड़ सकता है। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं, महंगाई में वृद्धि हो सकती है और आर्थिक विकास की गति प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा और वहां के व्यापारिक संबंधों पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम का विफल होना यह भी दर्शाता है कि दोनों देशों के बीच विश्वास का स्तर लगभग समाप्त हो चुका है। दशकों से चले आ रहे राजनीतिक मतभेद, आर्थिक प्रतिबंध, परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद और क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा ने दोनों देशों के संबंधों को अत्यंत जटिल बना दिया है। वर्तमान समय में ऐसा कोई प्रभावशाली और विश्वसनीय मध्यस्थ भी दिखाई नहीं देता जो दोनों पक्षों को वार्ता की मेज पर लाकर स्थायी समाधान निकाल सके।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और अन्य प्रमुख वैश्विक शक्तियों को इस दिशा में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी होगी। केवल बयान जारी करने से स्थिति नियंत्रित नहीं होगी। आवश्यक है कि दोनों देशों के बीच संवाद की प्रक्रिया फिर से शुरू हो, विश्वास बहाली के उपाय किए जाएं और समुद्री सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय समझौते को मजबूत बनाया जाए।

साथ ही सभी देशों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वैश्विक व्यापारिक मार्ग किसी भी राजनीतिक या सैन्य संघर्ष का माध्यम न बनें।

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं देता। युद्ध केवल विनाश, आर्थिक संकट, मानवीय त्रासदी और अस्थिरता को जन्म देता है। अमेरिका और ईरान यदि अपने मतभेदों को सैन्य शक्ति के बजाय कूटनीतिक वार्ता के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें तो न केवल क्षेत्रीय शांति स्थापित होगी, बल्कि पूरी दुनिया एक बड़े संकट से बच सकेगी।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय एकजुट होकर दोनों देशों पर संयम बरतने का दबाव बनाए। अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण समाधान ही इस संकट से बाहर निकलने का सबसे प्रभावी मार्ग है।

यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया को आर्थिक, राजनीतिक और मानवीय संकट की ओर धकेल सकता है। इसलिए अमेरिका और ईरान दोनों को अपनी जिम्मेदारियों का एहसास करते हुए युद्ध के बजाय शांति और संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए। यही वैश्विक स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और मानवता के हित में सबसे उचित विकल्प होगा।

-सम्पादक

साम्राज्वाद के विरोध में ईरान का प्रतीक : बंद मुट्ठी

तनवीर जाफ़री

ईरानी सुप्रीम लीडर शहीद आयतुल्लाह ख़ामनेई की पिछले दिनों 4 से 9 जुलाई के मध्य हुई विश्व की सबसे बड़ी अंत्येष्टि को दुनिया ने देखा। लगभग एक सप्ताह तक चले अंत्येष्टि के इस आयोजन में ईरान व इराक़ में लगभग दो हज़ार किलोमीटर की शवयात्रा निकाली गयी, करोड़ों की भीड़ को विभाजित करने के लिये तेहरान साहित कई प्रमुख शहरों में नमाज़-ए-जनाज़ा पढ़ाई गयी। यह ऐतिहासिक जनसैलाब न केवल अमेरिका इस्राईल के मिसाईल हमले में शहीद अपने रहबर व उनके शहीद परिजनों को रोते बिलखते हुये श्रद्धांजलि दे रहा था बल्कि भारी ग़ुस्से का भी इज़हार कर रहा था।

लाखों लोग बदले का प्रतीक लाल परचम उठाये हुये थे जबकि सैकड़ों बैनर पोस्टर पर अंग्रेज़ी में किल ट्रंप लिखकर अमेरिका को ईरानियों का सीधा सन्देश भी दिया गया था। ग़म और ग़ुस्से के संदेशों से भरे इन्हीं परचमों,पोस्टर्स व बैनर्स के बीच एक विशेष प्रतीक ने भी पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। यह था बंद व बुलंद मुट्ठी का प्रतीक। ख़बर है कि शहादत के वक़्त भी उनकी मुट्ठी बंधी हुई थी। दरअसल बंद मुट्ठी का अर्थ आम तौर पर प्रतिरोध, एकजुटता, और संघर्ष को जारी रखने का संकेत होता है। आयतुल्लाह ख़ामनेई की शहादत के संदर्भ में इसे उनके समर्थकों व राजनीतिक व धार्मिक पक्षों की तरफ़ से यह संदेश माना गया कि वे उनकी विरासत, उनके विचार और ईरान की मौजूदा सत्ता-रचना के साथ खड़े हैं। इतिहास गवाह है कि %बंद मुट्ठी% दुनिया भर में पहले भी कई वैश्विक आंदोलनों में ख़ासकर साम्राज्यवादी शक्तियों के विरोध और दृढ़ता का प्रतीक रही है। इस प्रतीक को केवल शोक का ही नहीं, बल्कि हम पीछे नहीं हटेंगे हम डटे रहेंगे व हमारा संकल्प दृढ़ है,हम संगठित हैं जैसे राजनीतिक संदेशों के रूप में भी समझा जाता है। इसी तरह ख़ामनेई की शहादत के बाद जो पोस्टर लगाए गए, उनमें बंद मुट्ठी को उनकी सत्ता, विचारधारा और समर्थक नेटवर्क की निरंतरता के प्रतीक की तरह इस्तेमाल किया गया। इसका आशय यह भी हो सकता है कि उनके अनुयायी इसे केवल मृत्यु नहीं, बल्कि संघर्ष और प्रतिरोध के नए चरण की शुरुआत मान रहे हैं।

वैसे भी दास्तान-ए-करबला से प्रेरणा लेने वाली शिया क़ौम में राजनीति और प्रतीकों में शोक, प्रतिशोध और न्याय की भाषा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसलिए ऐसी छवियाँ भावनात्मक रूप से यह भी कहती हैं कि समुदाय अपने नेता की शहादत या मृत्यु को निजी दुख के साथ-साथ सामूहिक संकल्प में बदल रहा है। बंद मुट्ठी का मतलब यह भी है कि हम शोक में तो ज़रूर हैं लेकिन हम कमज़ोर नहीं हैं और हम विरोध का अपना रास्ता भी जारी रखेंगे। बंद मुट्ठी का प्रतीक यह भी दर्शाता है कि हम कमज़ोर, बिखरे हुये या नेतृत्व-हीन नहीं हैं बल्कि हमारा संगठन, विचारधारा और सामूहिक अनुशासन अभी भी मज़बूत है।

पोस्टर और प्रतीक केवल तर्क से नहीं, भावना से भी काम करते हैं। बंद मुट्ठी, शोक को क्रोध, स्मृति और प्रतिशोध की राजनीति में बदल देती है, जिससे समर्थकों में एक सामूहिक पहचान और हम बनाम व की भावना मज़बूत होती है। ऐसे पोस्टर आंतरिक सत्ता-संघर्ष में भी काम आते हैं, क्योंकि वे उत्तराधिकार या नेतृत्व-रिक्ति के समय समर्थकों को एक धुरी के चारों ओर इकट्ठा करते हैं। इससे जनता को यह संदेश जाता है कि सत्ता या व्यवस्था अभी भी नियंत्रण में है और बिखराव नहीं हुआ। आम तौर पर ऐसे प्रतीक तीन स्तरों पर अपना व्यापक प्रभाव छोड़ते हैं। एक तो सड़क पर समर्थकों का मनोबल बढ़ाने में,दूसरा नेतृत्व की वैधता दिखाने और तीसरे अपने विरोधियों को यह संकेत देने में कि संघर्ष वैचारिक रूप से जारी रहेगा। इसलिए इसे केवल एक चित्र नहीं, बल्कि राजनीतिक संचार की रणनीति समझना चाहिए। साथ ही बाहरी दुनिया के लिए भी यह प्रतीक एक तरह की चेतावनी है कि ईरान-समर्थक धड़ा किसी भी स्वयंभू महाशक्ति के दबाव में झुकने वाला नहीं है। ईरान में शहीद ख़ामनेई की अंत्येष्टि में करोड़ों शोकाकुल लोगों के बीच इस तरह के संकेत का पोस्टर बैनर्स में नज़र आना साथ ही बार बार उपस्थित करोड़ों लोगों द्वारा ग़ुस्से में यही प्रतीक बनाकर और बुलंद कर व अमेरिका, इज़राइल के विरुद्ध गगनचुंबी नारे लगाकर प्रतिद्वंद्वियों को सीधा संदेश दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व उनके ख़ास सहयोगी देश इस्राईल के साम्राज्वादी इरादों को दुनिया देख ही रही है। ग़ज़ा, फ़िलिस्तीन, लेबनॉन, सीरिया, यमन, ईरान, इराक़,वेनेज़ुएला आदि अनेक देशों को बर्बाद करने में अमेरिका इस्राईल ने कोई कसर बाक़ी नहीं राखी। जब चाहे जिस देश को चाहें धमकियाँ देते रहते हैं। यहाँ तक की देश पर क़ब्ज़ा करने की भी धमकी दे बैठते हैं। यह साम्राज्यवादी देश, दूसरे देशों की धन सम्पदाओं,प्राकृतिक संसाधनों यहाँ तक कि उनपर बलात क़ब्ज़ा जमाकर उनकी संप्रभुता से खिलवाड़ करने की सोच रखते हैं। और अपने इन नापाक इरादों को पूरे करने के लिये बांटो और राज करो,पड़ोसी देशों में भय और अविश्वास पैदा करने जैसे घिनौने खेल खेलते हैं और इसी की आड़ में अपने हथियार बेचते हैं। दुनिया के तमाम देश इनकी ताक़त की वजह से इनसे सीधे टकराव नहीं चाहते। परन्तु ईरान ने विश्व इतिहास में अब तक के इस मिथक को मिटा दिया है कि इन साम्राज्यवादी देशों का मुक़ाबला नहीं किया जा सकता। सैन्य ताक़त से लेकर राजनैतिक व कूटनीतिक सभी क्षेत्रों में स्वयंभू सर्वशक्तिमान अमेरिका,इस्राईल व इनका साथ देने वाले उसके सभी सहयोगियों को दिखा दिया कि सच्चाई के रास्ते पर चलते हुये %बंद मुट्ठी % की ताक़त दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश को भी घुटनों पर ला सकती है।और अब दुनिया यह स्वीकार करने लगी है कि विश्व व्यवस्था अब सम्रज्वादी अमेरिका के इशारों पर नहीं चलने वाली। ऐसे में सवाल यहउठता है कि क्या अब ख़ामनेई की बंद मुट्ठी साम्राज्वाद के विरोध में ईरान का नया प्रतीक बनेगी संपर्क = 9896219228

विशाल जनसंख्याः शक्ति, अवसर और चुनौतियाँ

विशाल कल्याण
सहायक प्रोफेसर

विश्व के दो सबसे अधिक जनसंख्या वाले देशों भारत और चीन ने वैश्विक अर्थव्यवस्था, राजनीति और विकास की दिशा को गहराई से प्रभावित किया है। लंबे समय तक चीन विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश रहा, जबकि हाल के वर्षों में भारत ने यह स्थान प्राप्त कर लिया है। दोनों देशों की विशाल जनसंख्या को केवल संख्या के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि यह आर्थिक विकास, मानव संसाधन, नवाचार, वैश्विक प्रभाव और राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार भी है। हालांकि, यही जनसंख्या यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संसाधनों से नहीं जुड़ पाती, तो यह विकास के मार्ग में गंभीर चुनौतियाँ भी उत्पन्न करती है। इसलिए भारत और चीन के संदर्भ में जनसंख्या एक ऐसा विषय है जो अवसर और चुनौती दोनों का प्रतिनिधित्व करता है।

सबसे पहले यदि सकारात्मक पक्ष की बात करें तो विशाल जनसंख्या किसी भी देश के लिए एक बड़े मानव संसाधन का आधार होती है। जब किसी देश में बड़ी संख्या में कार्यशील आयु वर्ग के लोग होते हैं, तो उद्योग, कृषि, सेवा क्षेत्र और निर्माण गतिविधियों को पर्याप्त श्रमशक्ति प्राप्त होती है। चीन ने इसी मानव संसाधन का प्रभावी उपयोग करते हुए स्वयं को विश्व की विनिर्माण राजधानी के रूप में स्थापित किया। वहीं भारत भी सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था और विनिर्माण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि यह श्रमशक्ति कुशल और प्रशिक्षित हो, तो वह आर्थिक विकास की सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है।

विशाल जनसंख्या का दूसरा सबसे बड़ा लाभ बड़ा घरेलू बाजार है। भारत और चीन जैसे देशों में करोड़ों उपभोक्ता विभिन्न प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं की मांग करते हैं। यही कारण है कि दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ इन देशों में निवेश करना चाहती हैं। एक बड़ा उपभोक्ता बाजार उद्योगों को उत्पादन बढ़ाने, नई तकनीकों को अपनाने और रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए प्रेरित करता है। घरेलू मांग मजबूत होने से वैश्विक आर्थिक मंदी के समय भी अर्थव्यवस्था को अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखने में सहायता मिलती है। जनसंख्या आर्थिक विकास की गति को भी बढ़ाती है। अधिक लोग उत्पादन करेंगे, सेवाएँ प्रदान करेंगे और वस्तुओं का उपभोग करेंगे, तो राष्ट्रीय आय तथा सकल घरेलू उत्पाद (त्रष्ठक्क) में वृद्धि होगी। भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं के तेजी से बढ़ने के पीछे उनकी विशाल कार्यशील जनसंख्या का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यदि सरकारें शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा दें, तो यही जनसंख्या आर्थिक प्रगति का इंजन बन जाती है।

बड़ी जनसंख्या नवाचार और वैज्ञानिक प्रगति के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार करती है। अधिक जनसंख्या का अर्थ है अधिक विद्यार्थी, शोधकर्ता, वैज्ञानिक, इंजीनियर, चिकित्सक और उद्यमी। भारत आज सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जबकि चीन कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और हरित प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय निवेश कर रहा है। प्रतिभाओं की बड़ी संख्या अनुसंधान और नवाचार को नई दिशा प्रदान करती है।

विशाल जनसंख्या किसी देश की वैश्विक राजनीतिक और रणनीतिक शक्ति को भी बढ़ाती है। अधिक जनसंख्या वाला देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अधिक प्रभाव रखता है क्योंकि उसका आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक महत्व अधिक होता है। भारत और चीन दोनों वैश्विक संगठनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और विश्व की नीतियों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। इसके अतिरिक्त बड़ी जनसंख्या रक्षा क्षेत्र के लिए भी पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराती है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है। यदि बड़ी आबादी शिक्षित और रोजगार प्राप्त हो, तो सरकार को कर राजस्व भी अधिक प्राप्त होता है। इससे आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और सामाजिक कल्याण योजनाओं में अधिक निवेश किया जा सकता है। इसी कारण विकसित राष्ट्र अपने मानव संसाधन को आर्थिक पूंजी के रूप में विकसित करने पर विशेष ध्यान देते हैं।

हालाँकि विशाल जनसंख्या के अनेक लाभ हैं, लेकिन इसके साथ गंभीर चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। यदि हर वर्ष बड़ी संख्या में युवा श्रम बाजार में प्रवेश करें और पर्याप्त रोजगार उपलब्ध न हों, तो बेरोजगारी और अल्परोज़गारी बढ़ने लगती है। इससे आर्थिक असमानता, गरीबी और सामाजिक असंतोष भी बढ़ सकता है। भारत जैसे देश के लिए युवाओं को गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराना आने वाले वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है।

दूसरी बड़ी चुनौती शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता दबाव है। बड़ी आबादी के कारण विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, चिकित्सकों और अन्य सार्वजनिक सेवाओं की मांग लगातार बढ़ती रहती है। यदि इन क्षेत्रों में पर्याप्त निवेश न किया जाए, तो शिक्षा और स्वास्थ्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे मानव संसाधन का समुचित विकास नहीं हो पाता।

प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव भी बड़ी जनसंख्या का महत्वपूर्ण दुष्प्रभाव है। अधिक जनसंख्या के कारण जल, भूमि, ऊर्जा और खाद्यान्न की मांग लगातार बढ़ती है। इससे जल संकट, भूमि क्षरण, वनों की कटाई, प्रदूषण और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में इन चुनौतियों का प्रभाव और अधिक गंभीर हो गया है।

तेजी से बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरीकरण भी तेज़ी से बढ़ता है। महानगरों में आवास, परिवहन, स्वच्छता, पेयजल, बिजली और सार्वजनिक सुविधाओं पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। परिणामस्वरूप झुग्गी-झोपड़ियों का विस्तार, यातायात जाम, प्रदूषण और जीवन स्तर में गिरावट जैसी समस्याएँ सामने आती हैं। इसलिए केवल शहरों का विस्तार ही नहीं, बल्कि संतुलित और टिकाऊ शहरी विकास भी आवश्यक है।

आय और अवसरों में असमानता भी बड़ी जनसंख्या वाले देशों की प्रमुख समस्या है। विकास का लाभ यदि समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुँचता, तो आर्थिक विषमता बढ़ती है। इससे सामाजिक तनाव, क्षेत्रीय असंतुलन और विकास की गति प्रभावित हो सकती है। इसलिए समावेशी विकास की नीति अत्यंत आवश्यक है।

भारत और चीन के सामने जनसांख्यिकीय स्थिति भी अलग-अलग प्रकार की चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। भारत के पास आज विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है, जिसे 卐जनसांख्यिकीय लाभांश (छ्वद्गद्वश्दह्लड्डश्चद्धद्बष्ठ छ्वद्ब1द्बस्रद्गठ्ठस्त्र)卐 कहा जाता है। यदि इस युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार मिले, तो भारत आने वाले दशकों में विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बन सकता है। दूसरी ओर चीन में जन्म दर में गिरावट और वृद्ध होती आबादी भविष्य में श्रमशक्ति की कमी तथा सामाजिक सुरक्षा पर बढ़ते खर्च जैसी चुनौतियाँ उत्पन्न कर रही हैं। इसलिए दोनों देशों के लिए जनसंख्या प्रबंधन की रणनीतियाँ अलग-अलग हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि केवल अधिक जनसंख्या किसी देश को शक्तिशाली नहीं बनाती, बल्कि उस जनसंख्या की गुणवत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और उत्पादकता ही वास्तविक शक्ति होती है। यदि सरकारें मानव संसाधन विकास, रोजगार सृजन, तकनीकी नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास पर ध्यान दें, तो विशाल जनसंख्या किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी बन सकती है। भारत और चीन इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं कि जनसंख्या एक ओर आर्थिक विकास, वैश्विक प्रभाव और राष्ट्रीय शक्ति का आधार बन सकती है, तो दूसरी ओर यदि उसका उचित प्रबंधन न किया जाए, तो वही जनसंख्या संसाधनों पर बोझ, बेरोजगारी और सामाजिक चुनौतियों का कारण भी बन सकती है।

इसलिए भविष्य की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि ये दोनों देश अपनी जनसंख्या को केवल संख्या नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल और नवाचार से संपन्न मानव पूंजी के रूप में कितना विकसित कर पाते हैं।

बीपीएल चयन बदलते नियम, गरीब जनता परेशान

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र पत्रकार नूरपुर

बीपीएल चयन प्रकिया में बदलती शर्तें सुख की सरकार की छवि धूमिल कर रही हैँ ।राज्य सरकार की कार्यप्रणाली गरीब विरोधी नजर आ रही ऐसा कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी ।करीब एक बर्ष से बीपीएल चयन प्रकिया का काम अधर में लटका हुआ है ।सरकार ने अब बीपीएल चयन प्रकिया आठवे चरण की शुरु कर रखी है ।सरकार ने बैसे 20 जुलाई को बीपीएल परिवारों की नई सूची सूचना पट पर टांगने का दावा किया है ।कुल मिलाकर गरीब लोग आवेदन करने के लिए कार्यालयों के निरंतर चककर काटकर अब थक चुके हैँ ।आखिर कौन परिवार बीपीएल सूची में चयनित किए जाएं सरकार स्वयं उलझ गई है ।पंक्ति में बैठे अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का दावा करने बाली सुख की सरकार फिलहाल पात्र गरीबों का चयन नहीं कर पाई है।

ऐसे में सरकारी योजनाओं से कितने गरीब लाभान्वित हो सकते बड़ा सवाल है? ।सरकार की मंशा बीपीएल चयन प्रकिया को पारदर्शिता पूर्ण बनाना है ।मगर आए दिन बदलती औपचारिकताओं से गरीब लोग बेहद परेशान हैँ ।आय प्रमाण पत्र बनाने की प्रकिया बेशक आनलाइन,मगर कई दिन गुजर जाने वावजूद भी लोगों को समय पर नहीं मिल पा रहे हैँ ।प्रथम चरण में सरकार की शर्त थी की अगर किसी व्यक्ति को प्रधानमंत्री आवास योजना तहत पक्का मकान मिला तो वह बीपीएल श्रेणी से बाहर होगा ।महंगाई दौर चलते प्रधानमंत्री आवास योजना तहत मिलने बाले एक लाख 60 हजार रुपये से पक्का मकान बनाना मुश्किल है ।लाभार्थियों को किश्तें समय पर नहीं मिली,अभी भी लोग लंबित किश्तों के लिए कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैँ ।सोशल मीडिया,बिपक्ष के बढ़ते दवाव चलते सुख की सरकार ने पक्के मकान की शर्त को हटा दिया था ।पक्का मकान बनाने से गरीब लोगों की आय में इजाफा नहीं हो जाता है ।प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों ने बैंको, सगे संबधियों से पैसे उधार लेकर अपने भवनों का कार्य पुरा करने का प्रयास किया है ।सुख की सरकार रोजगार स्टार्टअप योजना तहत बेरोजगारों को वाहन खरीदने पर सब्सिडी मुहैया करवा रही है ।वहीं अगर प्रधानमंत्री आवास योजना लाभार्थी पास अपनी गाड़ी तो उसे बीपीएल श्रेणी से बाहर रखने का नियम था।

मनरेगा में काम करने बाले मजदूरों के लिए नियम भी कई बार बदले गए हैँ ।आय प्रणाम पत्र में निरंतर बदलाव किए गए हैँ ।बीपीएल में चयन के लिए 75 हजार रुपये सलाना आय,एक हेक्टेयर भूमि मलिकाना,आवेदन कर्ता की उम्र 59 बर्ष से उपर की होनी जरूरी बताया है ।बुढ़ापे की दहलीज पर पहुंच चुके लोगों का बीपीएल में चयन होना मजाक का बिषय है ।विधवा,तलाकशुदा,अविवाहित और अनाथ बच्चों को इस चयन में प्राथमिकता मिलना तय है ।सुख की सरकार ने प्रत्येक चरण में अपनी शर्तें बदली जिसके चलते गरीब लोग उलझकर रह गए हैँ ।गरीब लोगों ने बीपीएल श्रेणी में स्थान पाने के लिए सर्व प्रथम पंचायत सचिव पास अपने आवेदन जमा करवाए थे ।तदोउपरांत जिला परिषद सदस्यों ने कड़ी मेहनत करके गांवों में लोगों के घरों में जाकर सर्वे करने का अभियान चलाया ।आवेदनों की जाँच करने के लिए उपमंडलाधिकारी, बिकास खंड अधिकारी और पटवारी की एक कमेटी बनाई गई थी ।गनीमत यह रही की बाबजूद इसके बीपीएल चयन की सूची नहीं बन पाई है ।आठवे चरण में प्राप्त होने बाले आवेदनों की ग्राम,खंड और जिला स्तर पर कर्मवार सत्यापन होगा ।ग्राम सभाओं में बीपीएल परिवार चयन प्रकिया की बिडियो ग्राफ़ी होगी ।ग्राम सभा शुरु से लेकर अंत तक इसका रिकार्ड अब सुरक्षित रखना होगा ।हिमाचल प्रदेश की कितनी पंचायतों में ग्राम सभा की बैठकें सफल आयोजित होती जनता भली भांति जानती है ।आनन,फानन में सरकार द्वारा करवाई जाने बाली ग्राम सभा की बैठकों की ग्रामीणों को सही जानकारी नहीं होती है ।नतीजन लोग ग्राम सभा की बैठकों में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करवा पाते है।

ग्राम सभा की बैठकों में कोरम पुरा नहीं होता और लोगों के फर्जी हस्ताक्षर,अंगूठे लगावाकर बिकास कार्यो की रूप रेखा बनाई जाती है ।राज्य सरकार पीपीएल चयन प्रकिया अलावा भी अब ग्राम सभा की बैठकों में होने बाले बिकास कार्यों की बिडियो ग्राफ़ी करेगी इसकी चर्चा शुरु हो चुकी है ।चुनावों में गरीबी हटाओं नारे का प्रमुखता से शखनाद किया जाता है ।कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने इसी नारे के बलबूते केंद्र में अपनी सरकार बनाई थी ।हिमाचल प्रदेश की सुख सरकार लगता गरीब हटाओं के नारे पर काम कर रही है ।गरीबी रेखा से नीचे रहने बाले गरीब लोगों का चयन न कर पाने का कांग्रेस को आने बाले विधानसभा चुनावों में खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। सुख की सरकार आखिर पंक्ति में बैठे अंतिम गरीब आदमी तक कब पहुंचेगी बड़ा सवाल है ।गरीब आदमी की मुश्किलें इस सरकार ने निरंतर बढ़ाई ऐसा कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी ।हिम केयर में मिलने सुविधाओं में भारी कटौती की है। सहारा योजना की प्रकिया जटिल बनाकर रखी है ।उचित मूल्य की दुकानों में मिलने बाला राशन कभी उपभोक्ताओं को पर्याप्त नहीं मिल रहा है ।गुणवताहिन राशन जनता को महंगें दामों में बेचा जा रहा है ।जनता भी अपना नाम बीपीएल श्रेणी में आखिर क्यों दर्ज करवाने पर प्रयासरत रहती इसके कई कारण हैँ ।बीपीएल परिवारों को उचित मूल्य की दुकानों में सस्ता राशन मिलता है ।नौकरी के लिए आवेदन करने पर फीम में कमी रहती है ।अफ़सोस की बात यह की चंद सिक्कों में सिर्फ मित्रों की भर्तियां की जा रही ऐसे में बीपी एल होने का लाभ किसे मिल रहा है? ।परीक्षाएं शुरु होने से पूर्व की प्रश्न पत्र चोरी हो जाते हैँ ।रिजल्ट कोर्ट में फसंकर रह जाते हैँ ।स्कूल,कालेज में मिलने बाली छात्रवृति की प्रकिया भी जटिल होने कारण इस श्रेणी के बच्चों को लाभ कम मिलता है ।हिमाचल प्रदेश की जनता अगर गरीबी रेखा से उपर आकर आर्थिक रूप से साधन सम्पन्न बन चुकी तो फिर राज्य सरकार महिलाओं को 15 सौ रुपये क्यों बाँट रही है ।एक तरफ प्रदेश को आत्म निर्भर बनाने के दावे करना ।वहीं दूसरी तरफ गरीब लोगों को मिलने बाली सुविधाओं पर कटौती लगाने से आत्म निर्भरता नहीं आ सकती है ।प्रत्येक हिमाचली की आय में इजाफा होने उपरांत ही हम आत्म निर्भर वन सकते हैँ।

ईंधन में आत्मनिर्भर बनाएगा एथनॉल

आजादी के बाद भारत में कुछ ऐसे फैसले हुए हैं, जिन्होंने देश की तस्वीर बदल दी। हरित क्रांति ने हमें अनाज में आत्मनिर्भर बनाया। अब सरकार का एथनॉल कार्यक्रम का मकसद है ईंधन में आत्मनिर्भरता। भारत हर साल कच्चे तेल के आयात पर सात लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करता है। यह पैसा विदेश जाता है, हमारी अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ता है और हम दूसरे देशों पर निर्भर रहते हैं। जब खाड़ी देशों में तनाव होता है, तब कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं और उसकी मार सीधे आम भारतीय की जेब पर पड़ती है। सरकार का एथनॉल मिशन इसी निर्भरता को तोड़ने की कोशिश है। सरल शब्दों में कहें तो अपने गन्ने से, अपने खेतों से, अपना ईंधन बनाओ।

इसी दिशा में हाल में केंद्र सरकार ने 22 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 27 प्रतिशत और 30 प्रतिशत एथनॉल मिले पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी हटा दी। इसका सीधा मतलब है कि अब ज्यादा एथनॉल वाला पेट्रोल बनाना सस्ता होगा। इसके साथ सरकार ने 100 प्रतिशत एथनॉल को भी कानूनी मान्यता दे दी है। जब 2018 में यह योजना शुरू हुई थी, तब पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा पांच प्रतिशत से भी कम थी। 2023-24 में यह बढ़कर 15 प्रतिशत से अधिक हो गई। आज पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल (ई-20 ईंधन) मिलाया जा रहा है। ई-20 के राष्ट्रीय स्तर पर लागू होने से सालाना करीब 30,000 करोड़ रुपये का आयात बिल कम होने का अनुमान है।

एथनॉल बनाने के लिए भारत के पास पर्याप्त संसाधन हैं। आज ज्यादातर एथनॉल गन्ने के शीरे और खराब या अतिरिक्त अनाज से बनाया जाता है, लेकिन भविष्य में इसके लिए और भी कई स्रोत उपलब्ध हैं। बांस, पराली, फसल कटाई के बाद खेतों में बचा हुआ अवशेष और नगरों से निकलने वाले कुछ प्रकार के कचरे से भी एथनॉल बनाया जा सकता है। इसे दूसरी पीढ़ी का एथनॉल कहा जाता है। इसके लिए खाने-पीने की फसलों का उपयोग नहीं होता, इसलिए खाद्य सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ता। सरकार भी ऐसी परियोजनाओं को बढ़ावा दे रही है, जिससे भविष्य में एथनॉल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इसका सबसे बड़ा फायदा किसानों को मिला है।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार के गन्ना किसान लंबे समय से कम दाम और चीनी मिलों से भुगतान में देरी जैसी समस्याओं का सामना कर रहे थे। एथनॉल योजना ने इस स्थिति को बदलना शुरू कर दिया है। अब सरकार की गारंटी के साथ डिस्टिलरी एथनॉल खरीदती है, जिससे चीनी मिलों को अतिरिक्त आय का स्रोत मिला है। इसका लाभ किसानों तक भी पहुंच रहा है और उन्हें समय पर भुगतान मिल रहा है। पर्यावरण की बात करें तो एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से धुआं कम निकलता है। गाड़ियों से निकलने वाले हानिकारक कण और कार्बन मोनोआक्साइड की मात्रा घटती है। इलेक्ट्रिक गाड़ियां और सोलर पैनल भी जरूरी हैं, लेकिन उनके लिए बहुत पैसा और लंबा इंतजार चाहिए। एथनॉल सम्मिश्रण आज की गाड़ियों, आज के पेट्रोल पंपों और आज की खेती से काम करता है, यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

अब सवाल उठता है, अगर एथनॉल की मात्रा बढ़ती जाएगी तो आने वाली गाड़ियां कैसी होंगी? इसका जवाब है फ्लेक्स फ्यूल वाहन। ये गाड़ियां पेट्रोल, एथनॉल या दोनों के किसी भी मिश्रण पर चल सकती हैं। इनमें स्मार्ट इंजन होता है, जो खुद समझ लेता है कि टंकी में कौन सा ईंधन है और उसी हिसाब से काम करता है। यही फ्लेक्स फ्यूल की असली खूबी है। मारुति की वैगन-आर का फ्लेक्स फ्यूल माडल बाजार में आ चुका है। इसमें एथनॉल सेंसर, बेहतर फ्यूल इंजेक्शन सिस्टम और जंग-रोधी पुर्जे लगे हैं, जो ज्यादा एथनॉल को झेल सकें। ई-20 को लेकर सबसे अधिक चर्चा माइलेज पर होती है। हाल में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी स्वीकार किया कि एथनॉल का कैलोरी मान पेट्रोल से कम होने के कारण ई-20 ईंधन पर माइलेज में मामूली कमी आ सकती है। हालांकि यह प्रभाव सामान्य परिस्थितियों में सीमित रहता है और ई-20 के कारण वाहनों को भी किसी प्रकार की क्षति होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

संक्षिप्त न्यूज

साधना और सत्य का मिलन : स्वयं की खोज

चंडीगढ़,12 जुलाई (मुकेश डोलिया) आज के भागदौड़ भरे जीवन में हर व्यक्ति सुख और शांति की तलाश में है। हम साधना, ध्यान और उपासना करते हैं, लेकिन क्या ये साधन हमें भगवान से मिला सकते हैं? प्रभु अमित श्री का स्पष्ट मत है कि भगवान या आत्म-तत्व कोई बाहरी वस्तु नहीं है जिसे किसी क्रिया या प्रयास से अर्जित किया जा सके।

अक्सर साधक मन को नियंत्रित करने के लिए साधना करते हैं, लेकिन वास्तविक साधना मन के रोकने का प्रयास नहीं, बल्कि स्वयं को जानने की प्रक्रिया है। जब तक हम में को शरीर या मन के साथ जोड़कर देखते हैं, तब तक हम सत्य से दूर रहते हैं। जीव का भाव ही कर्मों का जाल बुनता है, और जब यह जीव भाव समाप्त हो जाता है, तभी वास्तविक मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। प्रभु श्री सिखाते हैं कि भगवान अजन्मा और अविनाशी हैं, उन्हें किसी सीमित आकार या प्रकार में नहीं बांधा जा सकता। सच्चा आत्म-बोध तब होता है जब साधक को अपने भीतर से अन्य की प्रतीति खत्म हो जाती है। यह बोध प्रयास से नहीं, बल्कि आत्म-समर्पण और गुरु की कृपा से होता है। वास्तविक ज्ञान का अर्थ यह नहीं है कि आप बहुत कुछ सीखें, बल्कि यह जानना है कि जानने वाला स्वयं आप ही हैं। जब हम मान्यताओं और धारणाओं से मुक्त होकर अपनी सत्ता में स्थित होते हैं, तब द्वैत समाप्त होता है और परमात्मा का साक्षात्कार होता है। साधना का अंत अंततः गुरु के सानिध्य और स्वयं के बोध में ही है। अपने भीतर झांकें, क्योंकि सत्य आपसे दूर नहीं, आपके भीतर ही विद्यमान है। प्रभु अमित श्री की अनमोल वाणी उसके यू ट्यूब चैनल वासुदेव सर्वम में उपलब्ध है।

गुरु गोरखनाथ धाम में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई सतगुरु बाबा गिरधारीनाथ महाराज की 39वीं पुण्यतिथि

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) गुरु गोरखनाथ धाम, इस्माईलाबाद में सतगुरु बाबा गिरधारीनाथ महाराज जी की 39वीं पुण्यतिथि श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच धूमधाम से मनाई गई। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा धर्म लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम के 11 जुलाई को योग वशिष्ठ के पावन पाठ का शुभारंभ हुआ। 12 जुलाई दिन रविवार को प्रातः 9:00 बजे विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ पाठ का समापन किया गया। इसके पश्चात वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने हवन-यज्ञ संपन्न हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति देकर विश्व शांति, मानव कल्याण तथा सुख-समृद्धि की कामना की।

प्रातः 10:00 बजे आयोजित सत्संग में महंत योगी श्री तेजनाथ महाराज जी ने संगत को संबोधित करते हुए कहा कि सतगुरु बाबा गिरधारीनाथ महाराज जी का संपूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, सेवा और आध्यात्मिक साधना का प्रेरणास्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा जी ने मानव सेवा, धर्म के प्रचार-प्रसार, प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश देकर समाज को नई दिशा प्रदान की। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही मनुष्य अपने जीवन को सफल और सार्थक बना सकता है।

महंत योगी श्री तेजनाथ महाराज जी ने श्रद्धालुओं से सेवा, सिमरन और सत्संग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया तथा कहा कि गुरु की शिक्षाओं को अपनाकर ही आध्यात्मिक उन्नति और आत्मिक शांति प्राप्त की जा सकती है।

सत्संग के उपरांत श्रद्धालुओं ने महंत योगी श्री तेजनाथ महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे धाम में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन : विश्र कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 12 जुलाई (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बच्चों की प्रतिभा को पहचान दिलाने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। पुरस्कार के लिए पात्र बच्चे 31 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश के सर्वोच्च बाल सम्मान में शामिल है, जिसके माध्यम से उन बच्चों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने कम उम्र में अपनी असाधारण प्रतिभा, लगन, मेहनत और उपलब्धियों से समाज व देश के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि इस पुरस्कार के अंतर्गत बहादुरी, नवाचार, खेल, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं तकनीक, कला एवं संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों द्वारा नामांकन किए जा सकते हैं। विभिन्न श्रेणियों में देशभर से कुल 25 बच्चों का चयन किया जाएगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि शिक्षा, खेल, नवाचार और अन्य क्षेत्रों में अपनी मेहनत से ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को इस अवसर का लाभ उठाते हुए निर्धारित समय सीमा में आवेदन करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों, स्कूल प्रबंधकों, शिक्षकों और संबंधित विभागों से आह्वान किया कि वे योग्य बच्चों की पहचान कर उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित करें।

हरियाणा सरकार की संवेदनशीलता से न्यायिक ढांचे को मिली नई मजबूती : गुरुग्राम में 'टॉवर ऑफ जस्टिस' का लोकार्पण

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

12 जुलाई (मुकेश डोलिया)

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि हरियाणा सरकार की संवेदनशील सोच और सहयोग के कारण प्रदेश में न्यायिक अधोसंरचना लगातार मजबूत हो रही है। गुरुग्राम में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित %टॉवर ऑफ जस्टिस% का उद्घाटन न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिकों के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रविवार को आयोजित समारोह में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह तथा पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशों की उपस्थिति में न्यायिक परिसर का लोकार्पण किया। इसी अवसर पर उन्होंने वर्चुअल माध्यम से नूंह जिले के तावडू और पुन्हाना न्यायिक परिसरों का शिलान्यास भी किया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वर्ष 2017 में भूमि-पूजन के समय जिस परियोजना की शुरुआत हुई थी, आज उसका आधुनिक स्वरूप न्यायपालिका की प्रगति का प्रतीक बनकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम देश का प्रमुख औद्योगिक, तकनीकी और निवेश केंद्र बन चुका है, जहां बढ़ती आर्थिक गतिविधियों के साथ न्यायिक मामलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में यहां हजारों सिविल, कमर्शियल और नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट से जुड़े मामले लंबित हैं। ऐसे में यह नया न्यायिक परिसर मामलों के त्वरित निस्तारण में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि इस भवन में आधुनिक अदालत कक्ष, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, सुव्यवस्थित न्यायिक मालखाना और प्रस्तावित इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उनका उद्देश्य ऐसी न्यायपालिका का निर्माण करना है जो तकनीकी रूप से सक्षम होने के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं और संवैधानिक मूल्यों के प्रति भी पूरी तरह समर्पित हो।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि %टॉवर ऑफ जस्टिस केवल एक भवन नहीं, बल्कि संविधान की गरिमा और न्याय व्यवस्था पर जनता के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ईज ऑफ जस्टिस भी उतना ही आवश्यक है। न्याय व्यवस्था सरल, पारदर्शी और समयबद्ध होगी तो नागरिकों का भरोसा और मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दो टावरों में विकसित इस न्यायिक परिसर में पुराने भवन की 45 अदालतों के स्थान पर अब 55 आधुनिक अदालत कक्ष बनाए गए हैं। इसके अलावा बैंक, डाकघर, बार लाइब्रेरी, मध्यस्थता केंद्र और अन्य आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने अधिवक्ताओं के लिए पुराने न्यायालय परिसर में आधुनिक चैंबर बनाने की भी घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यह परियोजना न्यायपालिका के प्रति जनता के विश्वास को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि न्यायालय में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति न्याय की उम्मीद लेकर आता है, इसलिए न्यायिक परिसर का आधुनिक और सुविधाजनक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वैकल्पिक विवाद समाधान, मध्यस्थता और लोक अदालतों जैसी व्यवस्थाओं को और मजबूत करने पर भी जोर दिया।

समारोह के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत, मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों ने न्यायिक परिसर के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। यह आधुनिक न्यायिक परिसर हरियाणा में न्यायिक अधोसंरचना को नई दिशा देने के साथ-साथ आम नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

13 जुलाई को शहर के कई प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक रहेगा आंशिक रूप से डायवर्ट, चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

12 जुलाई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने 13 जुलाई 2026 को शहर में विशेष व्यवस्थाओं के मद्देनज़र ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के अनुसार 13 जुलाई को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात आंशिक रूप से डायवर्ट एवं प्रतिबंधित रहेगा। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार निम्नलिखित मार्ग प्रभावित रहेंगे: सेक्टर 51/52 लाइट प्वाइंट से आईएसबीटी सेक्टर-43 चौक, सेक्टर 34/35/43/44 (साउथ एंड चौक) होते हुए सेक्टर 21/22/34/35 (पिकाडिली चौक) तथा अरोमा लाइट प्वाइंट (हिमालयन मार्ग) तक। पिकाडिली चौक (सेक्टर 21/22/34/35) से सेक्टर 20/21/33/34 चौक (दक्षिण मार्ग) तक, जिसमें किसान भवन चौक तथा सेक्टर 20/30/32/33 चौक (गुरुद्वारा चौक) शामिल हैं। सेक्टर 20/21/33/34 चौक से सेक्टर 33/34-44/45 चौक, सेक्टर 44/45-50/51 (गौशाला चौक) होते हुए सेक्टर 50/51 डिवाइडिंग रोड से मोहाली बैरियर (सरोवर पथ) तक, जिसमें सेक्टर 20/21 लाइट प्वाइंट और सेक्टर 45-46/49-50 चौक भी शामिल हैं। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा ट्रैफिक संबंधी ताज़ा जानकारी के लिए पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी अपडेट का पालन करें। पुलिस ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि इन अस्थायी ट्रैफिक प्रतिबंधों एवं डायवर्जनों से होने वाली असुविधा के लिए खेद है और यह व्यवस्था जनहित में की गई है।

आज के बच्चे ही भविष्य में सुंदर समाज का निर्माण करेंगे : अमृतपाल सिंह

चंडीगढ़ ज़ोन का ज़ोनल निरंकारी बाल समागम मोहाली में श्रद्धापूर्वक आयोजित

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

12 जुलाई (पुनीत महाजन)

मोहाली,सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की असीम कृपा से चंडीगढ़ ज़ोन का ज़ोनल निरंकारी बाल समागम रविवार को संत निरंकारी सत्संग भवन, फेज-6, मोहाली में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। समागम में चंडीगढ़ ज़ोन की 25 शाखाओं से आए सैकड़ों बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

समागम के दौरान बच्चों ने भाषण, कव्वाली, कविता, नाटिका, गीत एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से संत निरंकारी मिशन की शिक्षाओं और मानवीय मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित साध-संगत का मन मोह लिया। इस अवसर पर गुजरात के सूरत से पधारे केंद्रीय प्रचारक अमृतपाल सिंह ने सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज का पावन संदेश संगत तक पहुंचाते हुए कहा कि आज के बच्चे ही भविष्य में एक सुंदर, संस्कारित और आदर्श समाज का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। परिवार में दिए गए संस्कार ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्य, अच्छे संस्कार और आध्यात्मिक वातावरण देना भी उतना ही आवश्यक है। बच्चों को बचपन से ही सत्संग और सकारात्मक संगति से जोड़ने पर वे नशे, बुरी आदतों और सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनते हैं।

अमृतपाल सिंह ने कहा कि यह सभी के लिए सौभाग्य की बात है कि निरंकारी मिशन के बच्चे मिशन की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाकर मानवता, प्रेम, सेवा और सद्भाव का संदेश फैलाने का कार्य कर रहे हैं तथा अपने श्रेष्ठ आचरण से समाज के कल्याण में योगदान दे रहे हैं। समागम के दौरान बच्चों का उत्साह और आत्मविश्वास देखते ही बनता था। वहीं उनके अभिभावकों ने भी सतगुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए ऐसे आयोजनों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के समापन पर चंडीगढ़ ज़ोन के ज़ोनल इंचार्ज ओ.पी. निरंकारी तथा मोहाली शाखा के इंचार्ज गुलशन लूथरा ने केंद्रीय प्रचारक अमृतपाल सिंह, सभी अतिथियों, प्रबंधकों, सेवादल, बच्चों एवं उपस्थित साध-संगत का हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

एसआईआर के काम में लापरवाही बरतने वाले थानेसर विधानसभा बूथ नंबर 104 के बीएलओ को किया सस्पेंड :विश्राम कुमार मीणा

-नागरिकों से बचे हुए 3 दिनों में अपने एन्यूमरेशन फॉर्म बीएलओ के पास जमा करवाने की करी अपील

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

12 जुलाई (बृज मोहन)

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्य में लापरवाही बरतने वाले थानेसर विधानसभा के बूथ नंबर 104 के बीएलओ को सस्पेंड किया गया है। बीएलओ की एसआईआर के कार्य को करने में कोई रुचि नहीं थी, कई बार बूथ से नागरिकों व अन्य अधिकारियों की शिकायत भी लगातार आ रही थी और आज निरीक्षण के दौरान भी बीएलओ अपने मतदान केंद्र पर मौजूद नहीं पाया गया। सभी बिंदुओं को देखते हुए बीएलओ को सस्पेंड किया गया और बूथ पर दूसरे बीएलओ को नियुक्त किया गया है, ताकि 14 जुलाई तक बूथ पर एसआईआर के कार्य को पूरा किया जा सके।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा यूनिवर्सिटी के नॉन टीचिंग क्लब में बनाए गए थानेसर विधानसभा के बूथ नंबर 104, 105, 106 व 107 बूथों का निरीक्षण कर रहे थे। उपायुक्त ने बूथ पर मौजूद नागरिकों से बातचीत कर प्रक्रिया को समझा और उनसे अपील की कि वो अपने आसपास व सगे संबंधियों को भी एन्यूमरेशन फार्म को बीएलओ के पास जा करवाएं।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने संबंधित बीएलओ से भौतिक सत्यापन, फॉर्म संग्रहण और मतदाता जागरूकता की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान बूथ स्तर पर जाकर रजिस्टर और दस्तावेजों की जांच की और बीएलओ से मतदाता सूची का प्रिंटआउट, घर-घर जाकर भरे गए फॉर्म और गणना रजिस्टर का मिलान किया। उपायुक्त ने मौके पर ही मतदाताओं से फोन पर सीधे बातचीत कर फीडबैक भी लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में किसी भी पात्र नागरिक का नाम छूटना नहीं चाहिए और कोई भी अयोग्य नाम सूची में नहीं रहना चाहिए। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को 100 प्रतिशत शुद्ध और अद्यतन करना है। इसके लिए प्रशासन और मतदाता दोनों की भागीदारी जरूरी है। इस मौके पर एसडीएम थानेसर अमन कुमार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

634432 मतदाताओं यानी 80.94 प्रतिशत मतदाताओं का डाटा किया डिजिटाइजेशन

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला में 810 बूथों पर 783831 मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है। अभी तक 777108 मतदाताओं यानी 99.14 प्रतिशत को एन्यूमरेशन फार्म बांटे जा चुके हैं। इनमें लाडवा विधानसभा में 99.62 प्रतिशत, शाहाबाद विधानसभा में 99.96 प्रतिशत, थानेसर विधानसभा में 97.43 प्रतिशत और पिहोवा विधानसभा में 98.74 प्रतिशत शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि 634432 मतदाताओं यानी 80.94 प्रतिशत मतदाताओं का डाटा डिजिटाइजेशन कर दिया गया है। इनमें लाडवा विधानसभा में 172386 मतदाता यानी 87.11 प्रतिशत, शाहाबाद विधानसभा में 153668 मतदाता यानी 88.74 प्रतिशत, थानेसर विधानसभा में 155216 मतदाता यानी 68.09 प्रतिशत और पिहोवा विधानसभा में 155216 यानी 84.09 प्रतिशत का कार्य शामिल है।

21 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची का होगा प्रकाशन – उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि 14 जुलाई, 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म बांटना व प्राप्त करना, 14 जुलाई, 2026 तक मतदान केंद्रों का युक्तिकरण (पुनर्गठन/सुधार), 21 जुलाई, 2026 तक ड्राफ्ट (प्रारूप) मतदाता सूची का प्रकाशन, 21 जुलाई, 2026 से 20 अगस्त, 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अवधि, 21 जुलाई, 2026 से 18 सितंबर, 2026 तक दावों और आपत्तियों का निपटारा (निस्तारण) तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 सितंबर, 2026 को किया जाएगा।

चेक बाउंस मामलों की विशेष लोक अदालत 18 जुलाई को

कुरुक्षेत्र, 12 जुलाई (बृज मोहन) हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (हालसा) के सदस्य सचिव से प्राप्त दिशा निर्देशों की अनुपालना में पूरे प्रदेश में चेक बाउंस मामलों की विशेष लोक अदालत का आयोजन 18 जुलाई को किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत में मुख्य रूप से चेक बाउंस से जुड़े मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया जाएगा। यह जानकारी जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीतिका भारद्वाज ने दी। विशेष लोक अदालत का आयोजन स्थानीय न्यायिक परिसर व अन्य न्यायिक परिसरों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के चेक बाउंस धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित मामले न्यायालय में लंबित है वे 17 जुलाई तक संबंधित अदालत में उपस्थित होकर अपने मामलों का विशेष लोक अदालत में विचारार्थ प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस विशेष लोक अदालत में लंबित धारा 138 एनआई एक्ट अपीलों को भी शामिल किया जाएगा ताकि पक्षकार आपसी सहमति से अपने विवादों का त्वरित, सरल और सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त कर सकें।

पद्म पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 12 जुलाई (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि गणतंत्र दिवस 2027 पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/सिफारिशों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पुरस्कारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (अवार्डर्स डॉट जीओवी डॉट इन) पर 31 जुलाई तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किए जा सकते हैं। इन पुरस्कारों में पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नामांकन करने वाले व्यक्ति अधिकतम 800 शब्द का एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया हो, प्रस्तुत करें।

उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों, विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों या सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं।

एम एम सुब्रह्मण्यम ने थामा सीएमसी हॉर्टिकल्चर वर्कर्स यूनियन का हाथ...बहुमत वर्करों के साथ काम करने का लिया फैसला..

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

12 जुलाई (पुनीत महाजन)

आज सीएमसी हॉर्टिकल्चर वर्कर्स यूनियन को उस वक्त बड़ा बल मिला जब हार्टिकल्चर विभाग में वर्करों एक छोटे धड़े की प्रतिनिधता कर रहे साथी एम एम सुब्रहमण्यम ने उस धडे को छोड़ कर संविधान अनुसार चुनी हुई , सीएमसी हॉर्टिकल्चर वर्कर्स यूनियन का हाथ थम लिया।

कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड एम सी एंप्लाइज एंड वर्कर्स यूटी चंडीगढ़ के कन्वीनर साथी रगभीर चंद ने यूनियन के प्रधान हरजीत सिंह,महासचिव रामदुलार,अमित कुमार,मनु राम संजीव चौधरी, शाम लाल तथा अन्य वर्किंग कमेटी के सदस्यों की मौजूदगी में साथी सुब्रह्मण्यम को सरोंपा डाल कर यूनियन में उनका स्वागत किया।

एम एम सुब्रह्मण्यम ने कहा कि यूनियन तथा कोऑर्डिनेशन कमेटी की लीडरशिप की कार्य शैली से प्रभावत हो कर मैने कम गिनती धडे को छोड़ कर वर्करों के बहुगुणित समाज के साथ जुड़ने का फैसला लिया है और मैने यह फैसला मजदूर जमात के बड़े हितों के हक मे लिया है। साथी रगभीर चंद ने इस मौके पर कहा कि साथी सुब्रह्मण्यम के ट्रेड यूनियन के लंबे अनुभव का चंडीगढ़ के कर्मचरियों के चल रहे संघर्ष को बहुत बल मिलेगा ।उन्होंने बाकी वर्करों को भी यूनियन के साथ जुड़ने का अनुरोध किया । उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही साथी सुब्रह्मण्यम को कोऑर्डिनेशन कमेटी की अग्रि पगती में जगह दे कर उनके अनुभव का वर्करों के संघर्ष में फ़ायदा लिया जाएगा। उन्होंने सुब्रह्मण्यम को संघर्ष का रास्ता चुनने पर बधाई दी। यह यह बताना जरूरी है कि साथी सुब्रमणियम फेडरेशन ऑफ यूटी इम्प्लाइज एंड वर्कर्स के भी उप प्रधान थे ।साथी ने सभी पदों को त्याग कर कोऑर्डिनेशन कमेटी के साथ चलने का फैसला लिया है।

पीजीजीजीसी-11, चंडीगढ़ में 'एक पेड़ एक ज़िंदगी' अभियान के अंतर्गत वन महोत्सव का आयोजन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

12 जुलाई (मुकेश डोलिया)

चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा प्रारंभ किए गए वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत इस अभियान का शुभारंभ पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक, माननीय श्री गुलाब चंद कटारिया द्वारा 10 जुलाई, 2026 को किया गया। यह अभियान वन एवं वन्यजीव विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन के सहयोग से एक पेड़ एक ज़िंदगी विषय के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण को बढ़ावा देना है।

इसी अभियान के अंतर्गत पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज, सेक्टर-11, चंडीगढ़ (पीजीजीसी-11) की पर्यावरण सोसायटी 'उर्वी' द्वारा महाविद्यालय परिसर में वन महोत्सव के अवसर पर व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर के विभिन्न निर्धारित स्थलों पर लगभग 400 पौधों का रोपण किया गया।

इनमें औषधीय एवं हर्बल पौधे जैसे तुलसी, अजवाइन, इलायची तथा आंवला; सजावटी पौधे जैसे गुलाब, कनेर एवं अपराजिता; तथा वृक्ष प्रजातियाँ जैसे बरगद, नीम, अर्जुन, सिल्वर ओक और पापड़ी शामिल थीं। इस अभियान का उद्देश्य महाविद्यालय परिसर में हरित क्षेत्र का विस्तार करना, जैव विविधता का संरक्षण करना तथा विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। महाविद्यालय की डीन, श्रीमती दीपशिखा, तथा पर्यावरण सोसायटी 'उर्वी' के सदस्यों ने वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा हरित, स्वच्छ एवं सतत् पर्यावरण के निर्माण में निरंतर योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

पेंशनरों ने आयोजित की वर्चुअल बैठक

बीबीएन (तारा): पेंशनर्स एवम वरिष्ठ नागरिक कल्याण संगठन जिला सोलन के अध्यक्ष एवम राज्य पेंशनर्स कल्याण संगठन हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ सलाहकार केडी शर्मा द्वारा जिला सोलन की समस्त कार्यकारिणी की वर्चुअल वबैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि हाल ही में हिमाचल सरकार द्वारा पेंशनर्स के जीवन प्रमाण पत्र के बारे जो आदेश हुए हैं कि वे अपना जीवन प्रमाण पत्र ट्रेजरी के

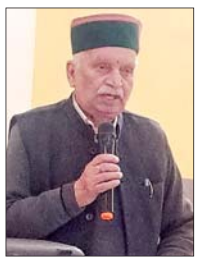

स्थान पर अपने एंड्राइड फ़ोन से लोकमित्र केंद्र या पोस्ट ऑफिस में बनवा कर दें । यह व्यवहारिक नहीं है। क्योंकि बहुत से सेवानिवृत्त व्यक्ति उम्र के आखिरी पड़ाव पर है। यद्यपि सरकार ने पोस्टमैन को घर पर बुलाने का विकल्प रखा है लेकिन उस पर भी रुपये 70 का शुल्क रखा है जो कि अनुचित है।

वरिष्ठ कार्यकारी प्रेस सचिव रोशन वशिष्ठ ने बताया कि जिला सोलन की सभी इकाईयों से अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं कि दिए गए विकल्प (फोन, लोकमित्र केंद्र तथा पोस्ट ऑफिस द्वारा) को जारी रखते हुए पहले से चला आ रहा नियम जिसमें कि ट्रेजरी में फार्म जमा किया जाता था, उसे भी जारी रखा जाए।ताकि पेंशनरों को सहूलियत रहे।

बद्दी नगर निगम और बीबीएनडीए के विलय की तैयारी तेज

सरकार ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

बद्दी (तारा): हिमाचल प्रदेश सरकार ने बद्दी नगर निगम और बीबीएनडीए के प्रस्तावित विलय की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए संबंधित विभागों से विस्तृत प्रशासनिक और कानूनी रिपोर्ट तलब की है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने बद्दी–बरोटीवाला–नालागढ़ विकास प्राधिकरण (बीबीएनडीए) और नगर निगम बद्दी के प्रस्तावित विलय की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए संबंधित विभागों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। शहरी विकास विभाग, हिमाचल प्रदेश के निदेशक की ओर से उपायुक्त सोलन को जारी पत्र में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 29 मई को हुई बैठक के मिनट्स के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री कार्यालय से 5 जून को जारी पत्र के माध्यम से सभी प्रशासनिक सचिवों को बैठक में लिए गए निर्णयों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। बैठक के एजेंडा के बिंदु संख्या 6(बी) के अनुसार मुख्यमंत्री ने बीबीएनडीए और नगर निगम बद्दी के विलय के प्रस्ताव का परीक्षण करने तथा इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत शहरी विकास विभाग ने संबंधित विभाग से हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के तहत इस प्रस्ताव की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। विभाग ने इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट निर्धारित समय सीमा तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि इसे आगे राज्य सरकार को भेजा जा सके। उपायुक्त मनमोहन शर्मा ने कहा कहा कि वर्तमान में बीबीएनडीए और नगर निगम बद्दी का विलय अभी पूर्ण नहीं हुआ है। यह वर्तमान में केवल प्रस्ताव के परीक्षण और कानूनी प्रक्रियाओं को शुरू करने से संबंधित एक प्रशासनिक कार्रवाई है। इस विषय पर अंतिम और आधिकारिक निर्णय पूरी तरह से राज्य सरकार की समीक्षा और कैबिनेट की मंजूरी के बाद ही लिया जाएगा।

अपराध नियंत्रण और सड़क सुरक्षा के लिए बद्दी पुलिस का विशेष अभियान,

बद्दी (तारा): अपराधों की रोकथाम, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस जिला बद्दी द्वारा बीती रात्रि सभी पुलिस थानों के क्षेत्राधिकार में विशेष रात्रि नाका चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर नाके लगाकर संदिग्ध

व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन जांच की गई तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई गई। अभियान के दौरान पुलिस थाना मानपुरा द्वारा 42, पुलिस थाना बद्दी द्वारा 50, पुलिस थाना नालागढ़ द्वारा 70, पुलिस थाना बरोटीवाला द्वारा 40 तथा पुलिस थाना रामशहर द्वारा 30 वाहनों की जांच की गई। इस दौरान मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 31 चालान किए गए, जिनमें नशे की हालत में गाड़ी चलाने पर भी एक चालान किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक वर्मा ने बताया कि बद्दी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऐसे विशेष रात्रि चेकिंग अभियानों का उद्देश्य अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की निगरानी बढ़ाना तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करना है।

बद्दी पुलिस की आम नागरिकों से अपील है कि यातायात नियमों का पालन करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सुरक्षित एवं अपराधमुक्त समाज के निर्माण के लिए बद्दी पुलिस भविष्य में भी इसी प्रकार के विशेष अभियान निरंतर जारी रखेगी तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार से लंबित एरियर शीघ्र जारी करने की अपील की

बद्दी (तारा): पेंशनर्ज़ एवं वरिष्ठ नागरिक संगठन की बरोटीवाला इकाई की बैठक में पेंशनरों की लंबित एरियर जारी करने की मांग की है। बरोटीवाला में इकाई के अध्यक्ष उदयराम चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पेंशनरों एवं वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लेकर अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश के हजारों पेंशनरों की लंबे समय से लंबित मांगो का समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि छठे वेतन आयोग से संबंधित एरियर, संशोधित पेंशन, मेडिकल बिलों का समयबद्ध भुगतान तथा अन्य वित्तीय लाभ शीघ्र जारी किए जाएं। बैठक में यह भी कहा गया कि कई विभागों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आज भी समय पर पेंशन एवं अन्य देय लाभ नहीं मिल रहे हैं, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने मेडिकल सुविधाओं में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने तथा वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

हिमाचल की पंचायतों में लागू होगा कचरा यूज़र चार्ज, परिवारों से 50 मासिक शुल्क

ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस कचरा प्रबंधन को बढ़ावा, दुकानों व संस्थानों से भी वसूला जाएगा शुल्क

» प्रथम न्यूज । शिमला
12 जुलाई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पंचायतों में अब घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से मासिक 'यूजर चार्ज' यानी कचरा संग्रहण शुल्क वसूला जाएगा। मॉडल उप नियम–2026 के तहत जारी निर्देशों के अनुपालन में बीडीओ देहरा ने सभी पंचायत सचिवों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए हैं। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि नियमों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही के लिए संबंधित पंचायत सचिव सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे।

निर्देशों के अनुसार, जिन पंचायतों में अभी तक यूजर चार्ज निर्धारित नहीं किया गया है, वहां ग्रामसभा या पंचायत बैठक में प्रस्ताव पारित कर शुल्क तय किया जाएगा। इसके बाद पंचायतें अपने क्षेत्र के सभी परिवारों, दुकानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सर्वे कर सूची तैयार करेंगी। शुल्क संग्रह के लिए प्रत्येक पंचायत को अलग बैंक खाता खोलना होगा और वसूली गई राशि अगले कार्य

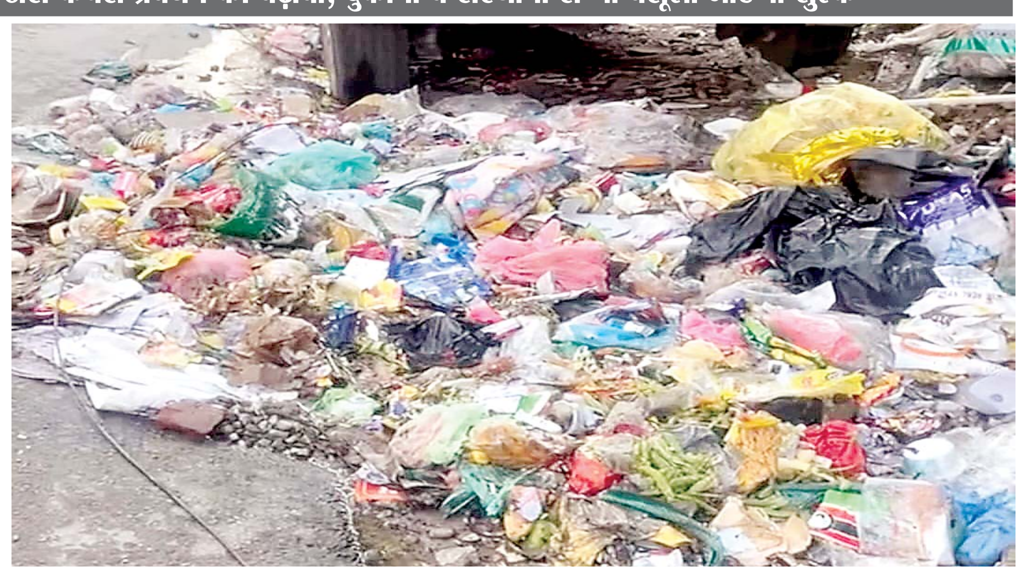

दिवस पर उसी खाते में जमा कराना अनिवार्य होगा। इस राशि का उपयोग केवल स्वच्छता कार्यों, सफाई मित्रों के मानदेय तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े कार्यों पर ही किया जाएगा।

निर्धारित शुल्क के अनुसार सामान्य ग्रामीण परिवारों से 50 रुपये प्रतिमाह, सामान्य दुकानों, ढाबों, चाय व मिठाई की दुकानों तथा छोटे कार्यालयों से 100 रुपये मासिक वसूले जाएंगे। वहीं फल–सब्जी के थोक व्यापारियों, बड़े कार्यालयों, बेकरी निर्माण इकाइयों और वाहन मरम्मत कार्यशालाओं से 500 रुपये मासिक शुल्क लिया जाएगा। बैंक, रेस्टोरेंट, मैरिज हॉल, सिनेमा हॉल और 50 से अधिक बिस्तरों वाले अस्पताल जैसी बड़ी संस्थाओं से अधिकतम 3000 रुपये प्रतिमाह यूजर चार्ज लिया जाएगा।

पंचायत सचिव संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमित जसरोटिया ने बीडीओ से मिले इन निर्देशों की पुष्टि की है।

बजरंगबली स्पोर्ट्स क्लब भोगपुर की ओर से क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

विधायक हरदीप बावा ने की बतौर मुख्य अतिथि शिरकत

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
12 जुलाई (गुरजीत सिंह)

बजरंगबली स्पोर्ट्स क्लब भोगपुर की ओर से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में कश्मीरपुर की टीम ने जीत हासिल की। फाइनल में बरोटीवाला को 16 रनों से पराजित किया। अनुज प्रतियोगिता के बेस्ट प्लेयर चुने। प्रतियोगिता में दो दर्जन से अधिक टीमों ने भाग लिया।

भोगपुर के खेल मैदान में खेली गई प्रतियोगिता में कश्मीरपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 ओवर में 37 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बरोटीवाला की टीम 21 रन ही बना पाई। इससे पूर्व खेले गए सेमीफाइनल में कश्मीरपुर ने गुल्लरवाला व दूसरे सेमीफाइनल में बरोटीवाला ने माजरी की टीम को पराजित किया। समापन समारोह मे बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विधायक हरदीप बावा ने खिलाड़ियों से मिलकर उनकी खेल मैदान की समस्याओं को सुना और स्थानीय लोगों और युवाओं की मांग के अनुसार खेल मैदान के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि नव नियुक्त पंचायत बनने के लिए जहां 25 लाख प्रदेश सरकार की ओर से दिए जाएंगे। वहीं उनकी ओर से भी पंचायत को विकास कार्यों के लिए 10 लाख की राशि दी जाएगी।

इस मौके पर प्रधान कमलेश कुमारी, मक्खन सिंह, दशमेश, जैमल सिंह, ओंकार सिंह, नीर सिंह, कुबेर सिंह, सुरेंद्र सिंह, जयपाल सिंह, शिवकुमार, रविंद्र सिंह, मास्टर, सुरेंद्र सिंह, श्री राम और अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

नीट पेपर लीक के विरोध में युवा कांग्रेस ने फूंका शिक्षा मंत्री का पुतला

चुवाड़ी में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग, नीट परीक्षा की निष्पक्षता पर उठाए सवाल, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

» प्रथम न्यूज । चुवाड़ी
12 जुलाई (एएम नाथ)

नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर युवा कांग्रेस भटियात और एनएसयूआई की बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद कार्यकर्ताओं ने परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया।

युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि नीट–यूजी पेपर लीक मामले में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उनका कहना था कि इस घटना से देश के लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा है।

युवा कांग्रेस भटियात के अध्यक्ष मनजीत ठाकुर ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वास बहाल करने के लिए केंद्र सरकार ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

बैठक एवं प्रदर्शन में जिला चंबा प्रभारी अखिल अग्निहोत्री, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष सुनाभ पठानिया, युवा कांग्रेस भटियात अध्यक्ष मनजीत ठाकुर, अक्षय ठाकुर, नितिन कुमार, शुभम ठाकुर, अजय सिंह, रबी कुमार, विकास ठाकुर, बबलू, नीतीश कुमार, विनोद कुमार, कुलदीप मनहास सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिट्टी से गड्ढे भरने वाले मंत्री दूसरों को ज्ञान देने से पहले अपने विभाग और शिमला ग्रामीण की बदहाली देखें : प्यार सिंह

शिमला, (बी. शर्मा)– भाजपा प्रदेश मीडिया सह–संयोजक प्यार सिंह ने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के हालिया बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो मंत्री अपने विभाग की बदहाल स्थिति सुधारने में विफल रहे हों, उन्हें केंद्र सरकार और भाजपा को ज्ञान देने से पहले अपने काम का आत्ममंथन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए रिकॉर्ड आर्थिक सहयोग दिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार हो, केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से विकास कार्य हों या आपदा के समय विशेष सहायता–हर अवसर पर केंद्र सरकार ने हिमाचल का साथ दिया है। स्वयं लोक निर्माण मंत्री भी केंद्र की इसी सहयोगात्मक नीति और प्रधानमंत्री मोदी के हिमाचल के प्रति विशेष स्नेह का लाभ अपने विभाग की परियोजनाओं के लिए उठाते रहे हैं। ऐसे में केंद्र सरकार पर सवाल उठाना केवल राजनीतिक दिखावा है।

प्यार सिंह ने कहा कि मंत्री महोदय यदि वास्तव में जनता की चिंता करते हैं तो उन्हें अपने विधानसभा क्षेत्र शिमला ग्रामीण की स्थिति पर भी ध्यान देना चाहिए। जिस क्षेत्र की जनता ने उन्हें विधायक बनाया और आज मंत्री पद तक पहुंचाया, वहीं की सड़कों की हालत सबसे अधिक चिंताजनक बनी हुई है। जगह–जगह उखड़ी सड़कें और गड्ढे शिमला ग्रामीण की पहचान बनते जा रहे हैं। लोक निर्माण मंत्री के अपने क्षेत्र की यह स्थिति सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

उन्होंने कहा कि शिमला ग्रामीण की अर्थव्यवस्था वर्षों से गांवों में उत्पादित ताजी सब्जियों, दूध और अन्य कृषि उत्पादों पर आधारित रही है। ग्रामीण बस सेवाओं के माध्यम से किसान अपनी उपज बाजार तक पहुंचाते थे, लेकिन बस सेवाएं प्रभावित होने से किसानों, महिलाओं, विद्यार्थियों और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार इस समस्या के समाधान के बजाय केवल बयानबाजी में व्यस्त है।

भाजपा मीडिया सह–संयोजक ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को भाजपा के संगठन की चिंता छोड़कर अपने दल की आंतरिक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। आज कांग्रेस के भीतर जिस प्रकार गुटबाजी खुलकर सामने आ रही है, वह किसी से छिपी नहीं है। स्वयं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से पार्टी के अंदरूनी हालात पर बयान दे चुके हैं। प्यार सिंह ने कहा कि भाजपा जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी और कांग्रेस सरकार को उसकी विफलताओं का जवाब देना होगा। प्रदेश की जनता अब केवल भाषण नहीं, बल्कि धरातल पर विकास और जवाबदेही चाहती है।

सिख पंथ ने राष्ट्र, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिए, यह इतिहास की अमूल्य धरोहर है : डॉ. सिकंदर कुमार

» प्रथम न्यूज । शिमला
12 जुलाई (बी.शर्मा)

भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार ने मिडिल बाजार स्थित गुरुद्वारा श्री भगत नामदेव जी में आयोजित महान गुरमत समागम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन गुरमीत सिंह, सदस्य नौफल संस्थान द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संगत को संबोधित करते हुए कहा कि सिख पंथ ने केवल अपने धर्म की ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की संस्कृति, धार्मिक स्वतंत्रता और मानवता की रक्षा के लिए अतुलनीय बलिदान दिए हैं, जिन्हें देश सदैव श्रद्धा के साथ स्मरण करेगा। डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया और इसीलिए उन्हें हिंद दी चादर कहा जाता है। उन्होंने कहा कि यह बलिदान केवल एक समुदाय के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय के धार्मिक अधिकारों और मानव गरिमा की रक्षा के लिए था।

उन्होंने चार साहिबज़ादों के अद्वितीय बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि बड़े साहिबज़ादे बाबा अजीत सिंह जी और बाबा जुझार सिंह जी ने चमकौर साहिब के युद्ध में वीरतापूर्वक लड़ते हुए शहादत प्राप्त की, जबकि छोटे साहिबज़ादे बाबा ज़ोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी ने मात्र नौ और छह वर्ष की आयु में अपने धर्म से समझौता करने से इनकार किया और सरहिंद में जीवित दीवार में चिनवा दिए गए, लेकिन अपने सिद्धांतों से विचलित नहीं हुए। उनका बलिदान साहस, आस्था और राष्ट्रभक्ति का अमर प्रतीक है।

डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि सिख इतिहास केवल शौर्य और बलिदान का इतिहास नहीं, बल्कि सेवा, समानता और राष्ट्रभक्ति का भी इतिहास है। उन्होंने बाबा बंदा सिंह बहादुर का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष कर समाज के कमजोर वर्गों को न्याय और सम्मान दिलाने का कार्य किया तथा सिख परंपरा ने सदैव राष्ट्र और मानवता की रक्षा के लिए अग्रणी भूमिका निभाई।

इस अवसर पर डॉ. सिकंदर कुमार ने श्रद्धालुओं की सुविधा और गुरुद्वारा परिसर में ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिडिल बाजार गुरुद्वारा के लिए सोलर लाइट उपलब्ध कराने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि यह छोटा–सा योगदान श्रद्धालुओं की सेवा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक प्रयास होगा। उन्होंने संगत से गुरु साहिब की शिक्षाओं–सेवा, समर्पण, समानता, मानवता और सरबत दा भला–को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि हम गुरु साहिब के आदर्शों पर चलें तो एक सशक्त, समरस और विकसित भारत का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में संगत ने गुरबाणी कीर्तन का श्रवण किया और गुरु का लंगर ग्रहण किया। आयोजक गुरमीत सिंह, सदस्य नौफल संस्थान ने सभी अतिथियों और संगत का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

युवाओं को शिक्षा के साथ खेलों से जोड़ना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता : शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला
12 जुलाई (बी.शर्मा)

प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने अपने प्रवास के दौरान जुब्बल क्षेत्र की ग्राम पंचायत कठासु के अंतर्गत बटाड़ गांव में नवयुवक मंडल स्टेटा ब्रदर्स बटाड़ द्वारा आयोजित वॉलीबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता शनिवार को की। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ–साथ खेलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि वॉलीबॉल पर्वतीय क्षेत्रों का अत्यंत लोकप्रिय खेल है और खेल गतिविधियां युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व तथा टीम भावना का पाठ पढ़ाने के साथ–साथ उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से भी दूर रखती हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण के लिए इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन आवश्यक है।

रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ने खिलाड़ियों की डाइट मनी 120 रुपये से बढ़ाकर 220 रुपये कर दी है। इसके अलावा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि ठाकुर रामलाल राजकीय बालिका खेल विद्यालय, जुब्बल की स्थापना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जहां वॉलीबॉल सहित आठ खेलों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। खेल छात्रावास के बेहतर संचालन के लिए हाल ही में मंत्रिमंडल ने 32 नए पदों को भी स्वीकृति

प्रदान की है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार प्रदेश के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में जुब्बल–नावर–कोटखाई विधानसभा क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं अथवा तेजी से प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत कठासु में 50 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य जारी है तथा सड़क निर्माण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। विधानसभा क्षेत्र में 181 नई सड़कों का निर्माण एवं स्वीकृति दी गई है। रोहित ठाकुर ने कहा कि कठासु पंचायत से उनका पारिवारिक एवं भावनात्मक जुड़ाव रहा है, जिसकी नींव स्वर्गीय ठाकुर रामलाल के समय में रखी गई थी। इसी आत्मीय संबंध के कारण क्षेत्र के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि 18 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से भगोली–बरथाटा सड़क का स्तरोन्नयन कार्य लगभग 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि कठासु–सावड़ा सड़क का स्तरोन्नयन 19.13 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है, जिसका लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि 1 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरथाटा (बटाड़गलू) रिकॉर्ड दो वर्षों में बनकर तैयार हुआ है, जिससे बरथाटा, कठासु तथा बढ़ाल पंचायतों के हजारों लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि बटाड़ में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। खेल मैदान में हाईमास्ट लाइट स्थापित कर दी गई है तथा भविष्य में दर्शकों के बैठने की व्यवस्था भी विकसित की जाएगी।

इसके अतिरिक्त बटाड़गलू में जल शक्ति विभाग के निरीक्षण कुटीर का निर्माण कार्य भी आरंभ हो चुका है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने स्थानीय नवयुवक मंडल को खेल गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी की।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मेहता, जिला परिषद सदस्य मीनाक्षी मांजटा एवं नेहा मेहता, पंचायत समिति अध्यक्ष कमलेश झगटा, उपाध्यक्ष लोकपाल शरखोली, ग्राम पंचायत कठासु के प्रधान लोकपाल जस्टा, बीडीसी सदस्य दिनेश पांजटा, उपप्रधान उदय दुलटा, ग्राम पंचायत बढ़ाल की प्रधान सरोज घमटा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक काल्टा, एसडीएम जुब्बल, विभिन्न विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

टी20 सीरीज में भारत को हराने के बाद खिलाड़ियों को जश्न की छूट: ब्रेंडन मैकुलम

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में 4-0 की शानदार जीत के बाद खिलाड़ियों को जश्न मनाने की अनुमति दी है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि यह छूट टीम के नए अनुशासनात्मक दिशा-निर्देशों के दायरे में ही होगी और खिलाड़ियों से जिम्मेदार व्यवहार की उम्मीद की जाएगी।

साउथेम्प्टन में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 56 रन से हराकर सीरीज 4-0 से अपने नाम की। इस जीत के साथ इंग्लैंड आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। मैच के बाद मैकुलम ने कहा कि टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है और ऐसे मौके पर खिलाड़ियों को सफलता का जश्न मनाने का अधिकार मिलना चाहिए।

मैकुलम ने कहा, जीत के बाद खिलाड़ी आज रात शराब पी सकते हैं। गाइडलाइंस अपनी जगह लागू हैं और सभी खिलाड़ी उनसे अच्छी तरह वाकिफ हैं। इन नियमों का मकसद खिलाड़ियों का ध्यान रखना और उन्हें सही फैसले लेने के लिए प्रेरित करना है।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस साल की शुरुआत में विदेशी दौरों के दौरान खिलाड़ियों से जुड़े कई अनुशासनात्मक मामलों के बाद टीम के लिए नए नियम लागू किए थे। इसके तहत आधी रात का कर्फ्यू, ऑफ-फील्ड व्यवहार को लेकर सख्त नियम और मैच से एक दिन पहले से लेकर मैच खत्म होने के अगले दिन तक शराब से दूरी बनाने की सलाह दी गई थी। हालांकि इस नीति में मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की को विशेष परिस्थितियों में छूट देने का अधिकार भी दिया गया है। मैकुलम ने कहा कि खिलाड़ियों पर उन्हें पूरा भरोसा है और टीम को अपनी उपलब्धि का आनंद लेने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर किसी को बीयर पसंद है तो आज रात उसका आनंद लेने का यह सही समय है, लेकिन यह समझदारी के साथ होना चाहिए और जरूरत से ज्यादा नहीं। पिछले दस दिनों में टीम ने जो हासिल किया है, उसका जश्न मनाने का हक खिलाड़ियों ने कमाया है। जश्न ऐसा होना चाहिए जिससे कोई नकारात्मक सुर्खियां न बनें।

मैकुलम ने इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान हैरी ब्रूक की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ब्रूक ने अपने शुरुआती करियर की गलतियों से काफी कुछ सीखा है और अब वह टीम के सबसे भरोसेमंद नेताओं में शामिल हो चुके हैं। मैकुलम के मुताबिक, पहले ब्रूक को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों का पूरा एहसास नहीं था, लेकिन पिछले एक साल में उनमें जबरदस्त बदलाव आया है। उन्होंने कहा, ड्रेसिंग रूम में एक लीडर, रणनीतिक सोच रखने वाले खिलाड़ी और बेहतरीन इंसान के रूप में हैरी ब्रूक का काफी सम्मान है। उन्होंने मैदान के बाहर भी गलतियों से सीख ली है और जिस तरह उनका विकास हुआ है, वह बेहद प्रभावशाली है।

मैकुलम ने यह भी बताया कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार और बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने जैसे चुनौतीपूर्ण दौर के बाद टीम ने शानदार वापसी की है। उनके अनुसार खिलाड़ियों ने भावनाओं में बहने के बजाय अपना पूरा ध्यान प्रदर्शन पर रखा, जिसका नतीजा भारत के खिलाफ एकतरफा सीरीज जीत के रूप में सामने आया। उन्होंने कहा, क्रिकेट में एक सप्ताह बहुत लंबा होता है। परिस्थितियां तेजी से बदलती हैं। ऐसे समय में जरूरी होता है कि भावनाओं को किनारे रखकर सिर्फ अपने काम पर ध्यान दिया जाए। मुझे खुशी है कि खिलाड़ियों ने यही किया और उसका इनाम उन्हें शानदार सीरीज जीत के रूप में मिला।

इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टी20 में भी हारी टीम इंडिया, लेकिन अभिषेक शर्मा ने मैदान पर उतरते ही रच दिया इतिहास

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 मैच में भी 56 रनों से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड द्वारा दिए गए 258 रनों के विशाल लक्ष्य के जवाब में टीम इंडिया निर्धारित ओवरों में महज 201 रन ही बना सकी। हालांकि, इस बड़ी हार के बावजूद टीम के तूफानी सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मैदान पर कदम रखते ही एक ऐसा इतिहास रच दिया, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

बिना टेस्ट-वनडे खेले टी20 में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

अभिषेक शर्मा ने जैसे ही इंग्लैंड के खिलाफ यह मैच खेलने के लिए मैदान पर कदम रखा, उन्होंने एक अनोखा विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह बिना किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट (वनडे या टेस्ट) में डेब्यू किए टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले दुनिया के नंबर-1 क्रिकेटर बन गए हैं। यह उनका भारत के लिए 53वां टी20 मुकाबला था। इससे पहले यह खास रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी सैमुअल बद्री के नाम दर्ज था, जिन्होंने किसी अन्य फॉर्मेट में खेले बिना अपने देश के लिए 52 टी20 मुकाबले खेले थे।

टी20 इंटरनेशनल में अभिषेक के तूफानी आंकड़े

बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने भारत के लिए अभी तक वनडे या टेस्ट क्रिकेट में कदम नहीं रखा है, लेकिन सबसे छोटे फॉर्मेट में उनका बल्ला जमकर आग उगल रहा है।

अभिषेक शर्मा ने अब तक खेले गए 53 टी20 मुकाबलों में 32.36 की शानदार औसत और 190.36 के खतरनाक स्ट्राइक रेट से 1618 रन बनाए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम दो शानदार शतक भी दर्ज हैं।

मेसी का जादू बरकरार, अर्जेंटीना सेमीफाइनल में; स्विट्ज़रलैंड को 3-1 से हराया

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा फुटबॉल विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आखिरी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना ने स्विट्ज़रलैंड को अतिरिक्त समय में 3-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। अब लियोनेल मेसी की टीम का सामना 15 जुलाई को सेमीफाइनल में इंग्लैंड से होगा।

कैंसस सिटी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना के लिए मैक एलिस्टर ने 10वें मिनट में पहला गोल किया। निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं, जिसके बाद मैच अतिरिक्त समय में पहुंचा। वहां जूलियन अल्वारेज ने 112वें मिनट में अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई, जबकि 121वें मिनट में एमी मार्टिनेज ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। स्विट्ज़रलैंड की ओर से डैन एनड्यॉय ने 67वें मिनट में गोल दागा। मैच के पहले हाफ में अर्जेंटीना ने आक्रामक शुरुआत की। 10वें मिनट में लियोनेल मेसी के शानदार पास पर मैक एलिस्टर ने हेडर के जरिए गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह

अर्जेंटीना का इस विश्व कप का सबसे तेज गोल रहा। मेसी ने अपने विश्व कप करियर का 10वां गोल असिस्ट भी दर्ज किया, जबकि मैक एलिस्टर ने लगातार दूसरे विश्व कप संस्करण में गोल करने का कारनामा किया। दूसरे हाफ में स्विट्ज़रलैंड ने शानदार वापसी की। 67वें मिनट में डैन एनड्यॉय ने रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन निर्धारित समय में कोई भी बढ़त हासिल नहीं कर सका। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन उसमें भी गोल नहीं हुआ।

इंजरी टाइम के अंतिम क्षणों में स्विट्ज़रलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने लिसेंड्रो मार्टिनेज के हेडर पर शानदार डाइव लगाकर अपनी टीम को बचाए रखा और मुकाबला अतिरिक्त समय तक पहुंचा दिया।

मैच के 72वें मिनट में स्विट्ज़रलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को वीडियो रिव्यू के बाद मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन पर बिना किसी संपर्क के फाउल का आभास कराने (सिमुलेशन) का आरोप साबित हुआ। अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना ने अपना अनुभव दिखाया।

112वें मिनट में जूलियन अल्वारेज ने शानदार गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई और 121वें मिनट में एमी मार्टिनेज ने तीसरा गोल कर अर्जेंटीना की 3-1 की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ डिफेंडिंग चैंपियन ने छठी बार विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

धामों की छवि खराब करने की साजिश बर्दाश्त नहीं: बीकेटीसी सदस्य

चारधाम की प्रतिष्ठा बचाने के लिए आधुनिक व्यवस्थाओं पर जोर

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 जुलाई (ब्यूरो)

श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सदस्यों की एक वर्चुअल बैठक वरिष्ठ सदस्य महेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन एवं सदस्य दिनेश डोभाल के संयोजन में आयोजित हुई। बैठक में चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं, मानसून सत्र की तैयारियों तथा मंदिर समिति पर लगाए गए विभिन्न आरोपों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मंदिर समिति के सदस्य देवीप्रसाद देवली ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया के माध्यम से उत्तराखंड के प्रसिद्ध धामों की छवि को सुनियोजित ढंग से धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। सदस्यों ने कहा कि चढ़ावा चोरी प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच गढ़वाल मंडल के आयुक्त की अध्यक्षता में जारी है, इसलिए जांच रिपोर्ट आने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने के बजाय धैर्य रखा जाना चाहिए।

बैठक में सदस्यों ने सोशल मीडिया पर यात्रा भत्ता को लेकर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि सभी भुगतान बीकेटीसी अधिनियम के प्रावधानों के तहत सरकार से अनुमोदित नियमों के अनुसार किए गए हैं। सदस्यों ने यह भी कहा कि आरोप लगाने वालों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पर विचार किया जाना चाहिए तथा ईमानदार

अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाए।

दिनेश डोभाल ने मंदिर समिति की व्यवस्थाओं में आधुनिक तकनीक अपनाने और सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। राजपाल जड़धारी ने ऋषिकेश में समिति कार्यालय स्थापित होने तथा प्राथमिक दर्शन पर्ची व्यवस्था को यात्रियों के हित में उपयोगी बताया।

महेंद्र शर्मा ने आगामी बोर्ड बैठक में देश के प्रमुख मंदिरों की व्यवस्थाओं का अध्ययन करने के लिए संयुक्त शिष्टमंडल भेजने का प्रस्ताव रखने की बात कही। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सुबह नौ बजे बीकेटीसी सदस्यों की वर्चुअल बैठक आयोजित की जाएगी।

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और एसआईपी अबेकस अकादमी ने आयोजित की पेंटिंग प्रतियोगिता एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 जुलाई (पुनीत महाजन)

सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों, विशेषकर स्कूली विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने एसआईपी अबेकस अकादमी के सहयोग से सेक्टर-30ए स्थित बाबा मखन शाह लोबाना में पेंटिंग प्रतियोगिता एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के 1,200 से अधिक विद्यार्थियों तथा करीब 1,500 अभिभावकों ने भाग लिया।

यह कार्यक्रम चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, आईपीएस के नेतृत्व, पुलिस महानिरीक्षक पुष्पेंद्र कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा एवं ट्रैफिक) सुमेर प्रताप सिंह, आईपीएस के मार्गदर्शन तथा डीएसपी (ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा) लक्षय पांडे, डैनिप्स की देखरेख में आयोजित किया गया।

प्रतियोगिता में कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल (सेक्टर-9), चितकारा इंटरनेशनल स्कूल (सेक्टर-25), सेंट एन्स स्कूल (सेक्टर-32) और दिल्ली पब्लिक स्कूल (सेक्टर-40) के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित सड़क व्यवहार को प्रोत्साहित करना था। जागरूकता सत्र के दौरान चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्क, सेक्टर-23 की प्रभारी डॉ. परवेश शर्मा और उनकी टीम ने प्रतिभागियों को मोटर वाहन अधिनियम-1988 (संशोधित 2019), केंद्रीय मोटर वाहन नियम-1989 तथा मोटर वाहन ड्राइविंग विनियम-2017 के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने यातायात नियमों का पालन करने, सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार अपनाने तथा स्वयं के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा शपथ ली और यातायात नियमों का पालन करने, जिम्मेदार नागरिक बनने तथा चंडीगढ़ को जीरो एक्सीडेंट डेथ सिटी बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर इस तरह के जागरूकता अभियान भविष्य में भी लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि बच्चों और आम नागरिकों में सुरक्षित यातायात संस्कृति को और अधिक मजबूत किया जा सके।

सिटी हसलर्स कप में लेजेंड्स अकादमी का जलवा, खिलाड़ियों ने जीते कई पदक

» प्रथम न्यूज । बद्दी
12 जुलाई (गुरजीत सिंह)

पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में आयोजित सिटी हसलर्स कप ताइक्वांडो चैंपियनशिप में बद्दी और नालागढ़ की लेजेंड्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। विभिन्न आयु और भार वर्गों में खिलाड़ियों ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया और मुकाबलों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में आयोजित ताइक्वांडो चैंपियनशिप में बद्दी-नालागढ़ के खिलाड़ियों ने दिखाया दम

चैंपियनशिप में लेजेंड्स अकादमी के खिलाड़ियों ने अनुशासित खेल और बेहतरीन तकनीक का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन की दर्शकों और निर्णायकों ने भी सराहना की। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में प्रियल श्री, इशिका, हर्षिका शर्मा, नव्या ठाकुर, रकुलप्रीत कौर, मौसम गौतम, आरुही सैनी, अजीत सिंह राणा, गुरशन सिंह रानू, अमन घरती, रंजय सिंह राव, आरव शर्मा, अजीत सिंह रानू, रचित कुमार, अंशुमान धीमान, दीपक कुमार, मैत्रिक ठाकुर, उत्कर्ष मिश्रा, अमनदीप गुप्ता, अहान बहेती, हरमन सिंह, अगम चौधरी और अनीश चौरसिया शामिल रहे।

मुख्य कोच समीर कुमार ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह सफलता नियमित अभ्यास, अनुशासन और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अकादमी के खिलाड़ी भविष्य में भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की सफलता पर अभिभावकों और खेल प्रेमियों ने भी खुशी जताई।

यूनिसन स्कूल द्वारा विद्यार्थियों एवम अभिभावकों के लिए करियर काउंसिलिंग सत्र आयोजित

» प्रथम न्यूज । बद्दी
12 जुलाई (तारा)

यूनिसन इंटरनेशनल स्कूल पिंजौर द्वारा ग्रुप सेंटर सीआरपीएफ के वेलफेयर सेंटर (एफडब्ल्यूसी) में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए एक प्रभावी करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बाद उपलब्ध करियर विकल्पों, उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, छात्रवृत्तियों तथा भविष्य की संभावनाओं के संबंध में सही एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना था।

करियर काउंसलिंग का सत्र अरविंद राय उपमहानिरीक्षक सीआरपीएफ के

सानिध्य से आयोजित किया गया जिसमें हर्ष त्रिपाठी उप कमांडेंट एवं संजीत दत्ता सहायक कमांडेंट उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हर्ष त्रिपाठी जी ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, दृढ़ संकल्प एवं निरंतर प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।

कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन एवं यूनिसन इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक जतिन अरोड़ा ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बदलते समय के अनुरूप उभरते हुए करियर विकल्पों, सही विषय चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण तथा उच्च शिक्षा के विभिन्न अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल अच्छे अंक ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि विद्यार्थियों का समग्र विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

सत्र के दौरान विद्यार्थियों को करियर काउंसलिंग वर्कशीट्स वितरित की गईं, जिनके माध्यम से उन्होंने अपनी रुचियों, क्षमताओं एवं संभावित करियर विकल्पों का आत्म-मूल्यांकन किया। पूरे कार्यक्रम को अधिक रोचक एवं सहभागितापूर्ण बनाने के लिए बीच-बीच में इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया व् उनके प्रश्नों का सरल, व्यावहारिक एवं प्रभावी समाधान प्रस्तुत किया।

प्रधानाचार्या आरती अरोड़ा ने अपने संदेश में कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई विशेष प्रतिभा अवश्य होती है।

उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को विद्यालय की शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि उनकी छिपी हुई प्रतिभाएँ सामने आ सकें और वे अपने भविष्य के लिए बेहतर निर्णय ले सकें।

वह दासी जिसके मैले कपड़े धोने धरती पर आईं साक्षात मां लक्ष्मी, और श्री हरि ने पीसी चक्की!

जब-जब भगवान कृष्ण के परम भक्तों का नाम लिया जाएगा, तब तब भक्त शिरोमणि माता जनाबाई का नाम बड़े आदर के साथ लिया जाएगा। कहा जाता है कि, माता जनाबाई की भक्ति में ऐसी अलौकिक शक्तियां थी कि झखुद भगवान कृष्ण के विट्ठल स्वरूप उनके लिए चक्की चलाते थे।

खास बात यह है कि, माता जनाबाई ने कभी भी भगवान से सहायता नहीं मांगी, न ही उनकी पुकार सुनकर श्रीकृष्ण चक्की चलाने आते थे, बल्कि कहा जाता है कि, अपनी अनन्य भक्त से मिलने के लिए खुद ठाकुर जी अपनी इच्छा से दौड़े चले आते थे। आइए जानते हैं भक्त शिरोमणि जनाबाई की उस पावन और पवित्र कथा के बारे में जिनके घर भगवान खुद चक्की चलाने आते थे।

माता जनाबाई कौन थीं?

जनाबाई एक सामान्य जीवन जीने वाली साधारण सी सेविका थीं। वह प्रसिद्ध संत नामदेव जी के निवास स्थल में दासी का काम करती थीं। रोजाना पानी भरना, झाड़ू लगाना, बर्तन-कपड़े धोना और चक्की पीसना उनका काम था।

वहीं, संत नामदेव के घर में आए दिन भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप विट्ठल देव जी का भजन कीर्तन होता था। धीरे-धीरे जनाबाई इस भक्ति के ओर आकर्षित हो गई। माता जनाबाई प्रभु की भक्ति में ऐसी डूबी की मन और प्राणों के द्वार दोनों खुल गए। जनाबाई के मुख से ही नहीं, बल्कि उनके रोम-रोम में भी भगवान के नाम का उच्चारण होने लगा था।

जनाबाई के लिए महामाया ने धोए कपड़े- कहा जाता है कि, एक बाद एकादशी के मौके पर संत नामदेव जी के घर में भारी भक्तमंडली जमा हुई थी। पूरी रात भगवान विट्ठल के नाम का भजन-कीर्तन चलता ही रहा। दिन भर व्रत के चलते जनाबाई ने अन्न का एक दाना भी ग्रहण नहीं किया था। पूरी रात भक्तजन कीर्तन करते रहे और मां जनाबाई एक कोने में बैठकर प्रेमाश्रु (प्रेम के आंसू) बहाती रहीं। जब सुबह भजन-कीर्तन खत्म हुई तो, सभी लोगों की तरह

जनाबाई भी अपने घर लौट आईं। पूरी रात की थकान के कारण अगले दिन उन्हें उठने में काफी समय हो गया। जब आंखें खुली तो वह फौरन उठीं और जल्द ह नित्यकर्म से निवृत्त होकर संत नामदेव के घर गईं। संत नाम देव के घर पहुंचते ही उन्होंने झाड़ू लगाने के बाद बर्तन मांजकर कपड़े धोने के लिए पास के ही चंद्रभागा नदी के किनारे जा पहुंचीं। कपड़े धोने के दौरान उन्हें याद आया कि, जिस कमरे में कीर्तन होता है, उसे व्यवस्थित करना तो भूल गई। कपड़े पानी में डुबाए जा चुके थे, इस वजह से उन्हें छोड़कर फौरन जाना भी संभव नहीं था। जनाबाई का मन अपने आराध्य के कमरे की व्यवस्था न कर पाने के कारण भर आया। कहते हैं कि, भक्तों की मन की पीड़ा भगवान तक तुरंत पहुंच जाती है और वह अपने भक्त की व्याकुलता दूर करने के लिए तत्काल कोई व्यवस्था नहीं करते हैं। जनाबाई चिंता में बैठी थीं, कि तभी एक बूढ़ी महिला वहां आ पहुंची। उन्होंने कहा, बेटी किस चिंता में डूबी हो? जनाबाई ने अपनी सभी परेशानी बता दी।

बूढ़ी महिला ने मुस्कुराकर बोला- तुम कीर्तन का कमरा व्यवस्थित कर आओ, तब तक मैं कपड़े धो देती हूं। जनाबाई इतनी जल्दी में थी कि, उन्होंने पल भर के लिए भी नहीं सोचा कि, आखिर ये बूढ़ी महिला कौन है और उसके मन की बात कैसे जान ली। जब जनाबाई कमरा व्यवस्थित करके वापस लौटीं तो उन्होंने देखा कि, कपड़े धूल कर सूख रहे थे। यह चमत्कार देख जनाबाई काफी हैरान हो गई। वह फौरन उस बूढ़ी महिला के पीछे दौड़ी उन्हें रोकने के लिए, लेकिन रास्ते में ठोकर वह गिर गई। कुछ देर के लिए उनकी नजर ओझल हुई वह बूढ़ी महिला गायब हो गई। लेकिन वहां गिली मिट्टी पर उसके दिव्य पैरों के निशान बने हुए थे। जब जनाबाई ने यह अद्भुत घटना संत नामदेव और अन्य संतों को बताई, तो सभी ने उन चरण चिह्नों के दर्शन किए। मंडली के बड़े संत पहचान गए कि, ये तो साक्षात महामाया (मां लक्ष्मी) के पांव निशान हैं। नामदेव जी भावुक होकर बोले, जनाबाई तुम धन्य हो, जिसके लिए खुद महामाया ने दासी बनकर कपड़े धोए।

जब भगवान विट्ठल पीसने लगे चक्की

इस घटना के बाद जनाबाई की दशा बदल गई। वह भक्ति में इतनी लीन हो गई कि, उनके रोम-रोम में हर भक्त पवित्र भगवत नाम की ऊर्जा प्रवाहित होने लगी। घर के काम करते-करते जनाबाई व्याकुल होने लगती और अपनी सुध-बुध खो देती थीं। नटखट नागर भगवान विट्ठल इसी समय के इंतजार में झाड़ू लगाने के साथ चक्की पीसने लगते थे।

इन्हीं दिव्य घटनाओं का उल्लेख करते हुए मराठी संतों और कवियों ने लिखा है कि, जनी संग दलिल यानी भगवान खुद जनाबाई के साथ चक्की पीसते थे।

कब से शुरू हो रहा है चातुर्मास? जानें जुलाई में कब से बंद होंगे मांगलिक कार्य

सनातन धर्म में चातुर्मास को आध्यात्मिक साधना, आत्मशुद्धि और अनुशासित जीवन के लिए अत्यंत पवित्र काल माना गया है। 'चातुर्मास' शब्द का अर्थ ही चार महीनों की अवधि है, जो आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से आरंभ होकर कार्तिक मास की देवप्रबोधिनी एकादशी तक चलती है। यह समय केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि जीवनशैली और स्वास्थ्य के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

चातुर्मास में क्या होता है?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इन चार महीनों के दौरान भगवान विष्णु क्षीर सागर में शेषनाग की शय्या पर योग निद्रा में चले जाते हैं। इसी कारण इस अवधि को देवों के विश्राम काल के रूप में देखा जाता है। इस दौरान सृष्टि के संचालन की जिम्मेदारी भगवान शिव के हाथों में मानी जाती है। भगवान विष्णु निद्रावस्था में रहते हैं, इसलिए इस समय विवाह, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक कार्यों को टालने की परंपरा है, जबकि पूजा-पाठ, व्रत और तप के लिए यह सर्वोत्तम समय माना गया है।

कब से कब तक है चातुर्मास 2026?

वर्ष 2026 में यह पवित्र काल 25 जुलाई से शुरू होकर 20 नवंबर तक रहेगा। इन चार महीनों में व्यक्ति को संयमित जीवन अपनाने, इंद्रियों पर नियंत्रण रखने और ईश्वर भक्ति में लीन रहने की सलाह दी जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इस समय किए गए जप, तप और दान का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है। सावन में शिव भक्ति, भाद्रपद में श्रीकृष्ण और गणेश पूजन का विशेष महत्व बताया गया है।

इन चीजों से करें परहेज

- चातुर्मास के दौरान खान-पान और जीवनशैली में कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक माना गया है।
- जैसे सावन में हरी पत्तेदार सब्जियों से परहेज, भाद्रपद में दही का त्याग, आश्विन में दूध कम करना और कार्तिक में कुछ विशेष दालों का सेवन न करना।
- इसके अलावा तामसिक भोजन जैसे मांस, मदिरा, प्याज और लहसुन से दूरी बनाए रखने की सलाह दी जाती है।

जरूर करें ये चीजें

- इस अवधि में भूमि पर शयन, ब्रह्मचर्य का पालन, सत्य बोलना और मौन रहना जैसे नियम भी अपनाए जाते हैं।
- वहीं विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ संस्कार और नए व्यवसाय की शुरुआत जैसे कार्यों को इस समय टालना शुभ माना जाता है।
- इस प्रकार चातुर्मास व्यक्ति को अनुशासन, संयम और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाता है।

चातुर्मास में क्या करें और क्या न करें

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह समय वर्षा ऋतु से जुड़ा होता है, जब वातावरण में नमी बढ़ जाती है और पाचन शक्ति कमजोर हो सकती है। संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी अधिक रहता है। यही कारण है कि इस अवधि में सात्विक भोजन और उपवास पर विशेष जोर दिया जाता है, ताकि शरीर स्वस्थ और संतुलित बना रहे।

कब शुरू हो रहा है भोलेनाथ का प्रिय महीना?

भगवान शिव के उपासकों के लिए सावन का महीना आस्था, भक्ति और साधना का विशेष समय माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी पावन काल में भगवान शिव ने माता पार्वती को अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया था। माता पार्वती ने शिवजी को पति रूप में पाने के लिए वर्षों तक कठोर तपस्या की, जिसके बाद उनकी मनोकामना पूर्ण हुई। यही कारण है कि सावन का महीना शिव-पार्वती के पावन मिलन और समर्पण का प्रतीक माना जाता है।

ऐसी मान्यता है कि इस महीने में सच्चे मन और पूर्ण श्रद्धा से भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति की सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। खासतौर पर सावन के सोमवार का महत्व अत्यधिक बढ़ जाता है, जब भक्त व्रत रखकर और विधि-विधान से पूजा कर भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। आइए जानते हैं कि इस साल यह पवित्र माह कब से शुरू हो रहा है।

सावन 2026 कब से शुरू होगा?

वर्ष 2026 में सावन का पवित्र महीना 30 जुलाई से प्रारंभ होकर 28 अगस्त तक रहेगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह चातुर्मास का दूसरा महीना होता है, जिसे आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना गया है। इस दौरान वातावरण भी भक्ति और उत्साह से सराबोर रहता है।

सावन के सोमवार की तिथियां

पहला सोमवार- 3 अगस्त,
दूसरा सोमवार- 10 अगस्त,
तीसरा सोमवार- 17 अगस्त
चौथा सोमवार- 24 अगस्त 2026

इन दिनों में शिवभक्त विशेष रूप से व्रत रखते हैं और मंदिरों में जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं।

सावन माह का महत्व

धार्मिक दृष्टि से सावन सोमवार का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन पंचामृत से अभिषेक, रुद्राभिषेक और शिव मंत्रों का जाप करने से भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष कृपा प्राप्त होती है। ज्योतिष के अनुसार, जिन लोगों की कुंडली में चंद्रमा कमजोर होता है, उनके लिए भी सावन में की गई शिव आराधना लाभकारी मानी जाती है।

इसके अलावा, इस पवित्र महीने में कांवड़ यात्रा का भी विशेष महत्व है। देशभर से लाखों श्रद्धालु हरिद्वार, गंगोत्री जैसे पवित्र तीर्थ स्थलों से गंगाजल लाकर पैदल यात्रा करते हुए शिव मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं। यह यात्रा न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि श्रद्धा, समर्पण और विश्वास की एक अनूठी मिसाल भी प्रस्तुत करती है।

आषाढ़ अमावस्या पर किस समय करें पितरों की पूजा? जानें शुभ मुहूर्त और विधि

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को खास महत्व दिया गया है. ये तिथि स्नान-दान और पूजा-पाठ के साथ-साथ पितरों के तर्पण और पिंडदान के लिए बहुत महत्वपूर्ण मानी गई है. ये तिथि पितरों को ही समर्पित की गई है. धार्मिक मान्यता है कि इस दिन पितृ कर्म, दान-पुण्य और विशेष उपायों को करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है. आषाढ़ माह की अमावस्या आने वाली है. इसे आषाढ़ी अमावस्या भी कहा जाता है.

द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ माह की अमावस्या 14 जुलाई को मंगलवार के दिन मनाई जाएगी. शास्त्रों में मंगलवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या को भौमवती अमावस्या बताया गया है, इसलिए आषाढ़ की इस अमावस्या को भौमवती अमावस्या भी कहा जा रहा है. आइए जानते हैं कि आषाढ़ या कहें कि भौमवती अमावस्या पर पितरों की पूजा का शुभ मुहूर्त क्या रहने वाला है? साथ ही पितृ पूजा की विधि भी जानते हैं.

आषाढ़ अमावस्या 2026 पर पितरों की पूजा का मुहूर्त

आषाढ़ अमावस्या के दिन अभिजीत मुहूर्त पितरों की पूजा के लिए सर्वोत्तम रहेगा. इस दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर को 12 बजे शुरू हो जाएगा और 12 बजकर 55 मिनट तक रहने वाला है. इस समय आप पितरों की पूजा व तर्पण करें. इस दिन संध्या काल की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम को 07 बजकर 21 मिनट पर शुरू होगा. पूजा का ये शुभ मुहूर्त रात को 08 बजकर 22 मिनट तक रहेगा.

वहीं इस दिन स्नान-दान ब्रह्म मुहूर्त में ही करना शुभ रहेगा. इस दिन स्नान-दान का शुभ मुहूर्त सुबह 04 बजकर 11 मिनट पर शुरू होगा और ये 04 बजकर 52 मिनट तक रहेगा.

आषाढ़ अमावस्या की पूजा विधि

-आषाढ़ अमावस्या पर ब्रह्म मुहूर्त में किसी पवित्र नदी, सरोवर या कुंड में स्नान करें. अगर ये संभव न हो पाए तो घर के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर लें.

-इसके बाद तांबे के पात्र में जल, लाल पुष्प और चंदन मिलाकर सूर्यदेव को अर्घ्य दें.

-फिर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके जल, काले तिल, कुश और पुष्प के साथ पितरों का तर्पण करें.

-इसके बाद अपनी श्रद्धा के अनुसार ब्राह्मण या जरूरतमंद व्यक्ति को अन्न, वस्त्र, फल या छाता द ान करें.

-शाम के समय पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक अवश्य जलाएं.

स्वप्न शास्त्र के संकेत: सपने में बाल कटवाना किस बड़ी घटना की ओर करता है इशारा? क्या हो सकता है मतलब

स्वप्न शास्त्र के अनुसार सपने में दिखाई देने वाली हर चीज कोई न कोई संकेत देती है। कुछ चीजें इस बात की ओर इशारा करती हैं कि आपके जीवन में नए बदलाव हो सकते हैं, तो कुछ ये बताती हैं कि भविष्य में आपको मिले-जुले लाभ मिल सकते हैं।

ऐसे ही बाल काटने का सपना अक्सर खुद में बदलाव लाने की गहरी इच्छा, पुरानी चीजों को बदलने का संकेत या फिर लोगों से जुड़ने की ओर इशारा करता है।

इस सपने का एक मतलब यह भी हो सकता है कि आपको एक नई पहचान मिल सकती है या फिर आप किसी बड़ी जिम्मेदारी को संभाल सकते हैं।

ऐसा सपना यह भी दिखाता कि आपको अब जीवन में ऐसे पहलुओं पर विचार करने की जरूरत है जिसके बारे में आपने अभी कोई योजना नहीं बनाई है। आइए आपको बताते हैं सपने बाल कटवाते हुए खुद को या किसी और को देखना किस घटना की ओर संकेत करता है।

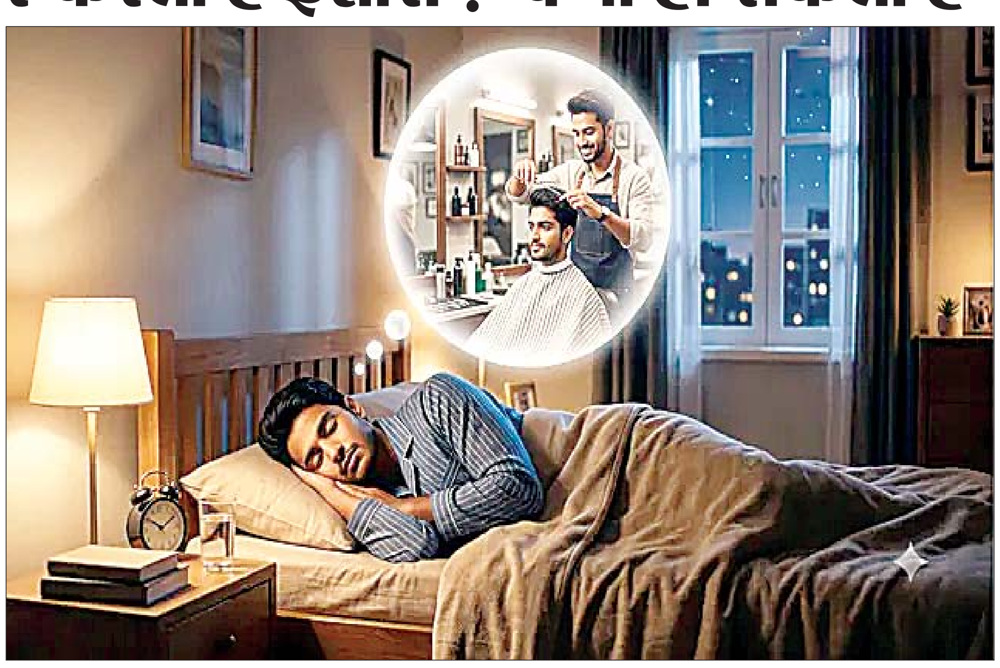

किसी बड़े नुकसान की ओर इशारा

अगर आप सपने में खुद को बाल कटवाते हुए देखते हैं तो ये किसी बड़े नुकसान की ओर इशारा करता है जो आपने हाल ही में देखा है।

ऐसा भी हो सकता है कि इस नुकसान की वजह से आपके जीवन में कई ऐसे बदलाव हो रहे हों जो आपके आत्मविश्वास को कम कर रहे हों। इस सपने से यह संकेत मिलता है कि जल्द ही आपको इससे बाहर आने में मदद मिलेगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ने लगेगा।

किसी पसंदीदा चीज को खोने का डर - बाल कटवाने के सपने आमतौर पर किसी पसंदीदा चीज के खोने से जुड़े होते हैं, चाहे वह आपकी नौकरी हो, लव लाइफ हो, दोस्त हों या परिवार के किसी सदस्य को खोने का डर।

इस तरह का कोई भी डर आपको ऐसे सपने दिखा सकता है। ऐसे सपने इस बात की ओर इशारा करते हैं कि जल्द ही आपको किसी बड़े बदलाव की जरूरत है और आपके जीवन में सकारात्मक रूप से बदलाव दिखाई दे सकते हैं। ऐसे सपने के माध्यम से आप अपने जीवन की नेगेटिव चीजों को हटाने की कोशिश करते हैं।

सपने में किसी और के बाल काटते हुए देखना

अगर आप सपने में किसी और के बाल काटते हैं, तो इसका मतलब यह हो सकता है कि आप अपनी या उनकी जिंदगी को कंट्रोल करने में मुश्किल महसूस कर रहे हैं। ऐसा भी हो सकता है कि चीजें आपके नियंत्रण से बाहर हैं, इसलिए आपको बार-बार ऐसे सपने दिखाई दे रहे हों। बाल कटवाने के सपने अक्सर यह दिखाते हैं कि आप असल जीवन में कैसा महसूस कर रहे हैं।

खुद से तालमेल खोने का संकेत

कई बार ऐसा सपना इसलिए भी दिखाई देता है क्योंकि आप जैसा सोच रहे हैं वैसा करने में असमर्थ हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आप होने मांस मस्तिष्क के साथ सही तालमेल नहीं बना पा रहे हैं। आपको किसी चीज के खोने का डर भी तालमेल खोने की ओर इशारा करता है। आपके बाल इस बात से गहराई से जुड़े होते हैं कि आप दुनिया के सामने खुद को कैसे दिखाते हैं और आप खुद को किस तरह से देखते हैं। बालों को काटने का सपना इस बात का संकेत हो सकता है कि आप आत्म-मंथन के दौर से गुजर रहे हैं यानी आप अपनी पहचान को नए सिरे से खोज रहे हैं। अगर आपको भी ऐसा कोई भी सपना दिखाई देता है तो ये आपके जीवन के बदलावों की ओर इशारा कर सकता है।

बच्चों के पुराने कपड़े, खिलौने और पालना घर में रखना सही या गलत?

अधिकतर मां बाप अपने बच्चों के छोटे हो चुके कपड़े, जूते, खिलौने, पालना या पढ़ाई से जुड़ा भावनात्मक कारणों से सालों तक संभालकर रखते हैं। इन चीजों से जुड़ी यादें उनके लिए काफी मायने रखती हैं। लेकिन जब इन चीजों का ढेर घर में लगातार बढ़ता ही चला जाता है, तो कई लोगों के मन में यह सवाल आता है कि लंबे समय तक इन चीजों का इस्तेमाल करना सही है या गलत? आइए वास्तु से जानते हैं इसका जवाब।

वास्तु शास्त्र का मूल सिद्धांत कहता है कि, घर में सिर्फ इस्तेमाल में आने वाली वस्तुएं, स्वच्छ और सकारात्मक ऊर्जा वाली चीजें ही होनी चाहिए। ऐसी कोई भी चीज जो सालों से इस्तेमाल करने योग्य नहीं है, वे स्थान को घेरती है और घर में अस्थिरता और असंतुलन उत्पन्न करती है।

इन परिस्थितियों में सावधानी रखें?

घर में अगर बच्चों के पुराने हो चुके कपड़े, टूटे खिलौने, खराब स्ट्रोलर, पालना या कोई भी सामान टूट या धूल खा चुका है, तो वास्तु के नजरिए से उसे घर में रखना सही नहीं है। वास्तु शास्त्र में अव्यवस्था को मानसिक तनाव और सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में बाधा के रूप में देखा जाता है।

अगर कोई वस्तु बेहतर स्थिति में है और उससे परिवार के किसी भी सदस्य का भावनात्मक जुड़ाव है, तो उसे सीमित संख्या में साफ-सुथरे तरीके से सुरक्षित रखना किसी भी तरह से निषिद्ध नहीं माना गया है।

बच्चों की पुरानी चीजों का क्या करें?

- समय-समय पर अपने बच्चों के पुराने सामानों की देख-रेख करें और जो चीजें खराब हो चुकी हैं, उन्हें बाहर कर दें।
- इसके अलावा जो कपड़े या खिलौने अच्छी स्थिति में हैं, लेकिन इस्तेमाल नहीं किए जा रहे हैं, तो उन्हें अच्छी तरह निपटारा कर दीजिए।
- बच्चों से जुड़ी सिर्फ स्मृति चिह्न रखें, जिनका आपके परिवारवालों के लिए काफी भावनात्मक महत्व हो।
- स्टोर रूम या अलमारी को बेकार की चीजों से भरने की बजाय नियमित और उपयोगी वस्तु रखें।
- वास्तु शास्त्र के यह बिल्कुल भी नहीं कहता है कि, बच्चों की छोटी हो चुकी सभी चीजों को बाहर कर देना चाहिए। घर में ऐसी किसी भी वस्तु को रखने से बचना चाहिए, जो अनावश्यक स्पेश लेती हो और काम में न आती हो। वहीं, सालों तक बच्चों के खराब हो चुके कपड़े और खिलौने को हटाना व्यावहारिक रूप से भी सही माना जाता है।